PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 309 ● भिलाई, सोमवार 22 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

योग शांत-तनाव मुक्त जीवन जीने में सहायक, लक्ष्य 50 की उम्र में 30 साल से ज्यादा ऊर्जावान होने का हो : प्रधानमंत्री मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में सहायक बताते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य 50 की उम्र में 30 साल से ज्यादा ऊर्जावान होने का होना चाहिए।

बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मुख्य समारोह का आयोजन रविवार को यहां के रेड रोड पर आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। इस अवसर पर मोदी कहा, हम हेल्दी एजिंग (उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने) के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर सकते हैं कि उम्र बढ़ने से इंसान की क्षमता कम न हो। योग इंसान को लगातार आगे बढ़ने और विकास करने में मदद कर सकता है।

उन्होंने कहा, योग हमारे शरीर को लचीला बनाने में मदद करता है। यह हमारी ऊर्जा स्तर लेवल को बनाए रखता है। यह हमें शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में भी मदद करता है। नियमित अभ्यास से योग हमें जीवन भर अपने शरीर और मन को समझने और सीखने वाला बनाता है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 40 की उम्र में हम 20 की उम्र की तुलना में ज्यादा लचीले हों। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 50 की उम्र में हम 30 की उम्र की तुलना में ज्यादा ऊर्जावान हों। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के तहत राज्य में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक इंतज़ाम और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी। मोदी सुबह करीब 6.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्यपाल आर.एन. रवि ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री के पहुंचने से पहले ही कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ जुटने लगी थी। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में लगभग 30,000 से 35,000 लोगों के शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मोदी, रवि और अधिकारीअधिकारी के अलावा भाजपा के कई विधायक भी शामिल हुए। मोदी शनिवार को कोलकाता पहुंचे थे और योग दिवस कार्यक्रम के लिए रेड रोड जाने से पहले प्रोटोकॉल के तहत लोक भवन में रुके थे। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब सिर्फ़ हर साल मनाया जाने वाला एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा, यह दुनिया का सबसे बड़ा उत्सव बन गया है। पूरा देश योग की महिमा में डूबा हुआ है। दुनिया एक-दूसरे से जुड़ रही है और यही योग की खूबसूरती है। उन्होंने कहा, मैं योग दिवस में शामिल होने के लिए पूरी दुनिया का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कोलकाता के लोगों का भी धन्यवाद किया और बंगाल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, मैं कोलकाता को उसकी स्वच्छता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। योग दिवस पर बंगाल में रहना खास बात है। यह रामकृष्ण परमहंस देव की धरती है। यह विवेकानंद की धरती है जिन्होंने दुनिया को योग से परिचित कराया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं का ज़िक्र करते हुए मोदी ने कहा कि योग एकता और सामूहिक भलाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा, रवींद्रनाथ का मानना था कि लोगों की पहचान अकेले रहने में नहीं, बल्कि एकजुट रहने से मिलने वाली संतुष्टि में है और यही योग की खूबसूरती है जो लोगों को जोड़ता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का इस साल की थीम 'योग और स्वस्थ बुढ़ापा' पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बुढ़ापे को सकारात्मक नज़रिए से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम बढ़ती उम्र में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकते हैं। बुढ़ापा कोई समस्या नहीं है, बल्कि इसे एक अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग को सिर्फ़ बुज़ुर्गों तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बुढ़ापे के लिए योग को सभी उम्र के लोगों के लिए माना जाना चाहिए, न कि सिर्फ़ बुज़ुर्गों के लिए।

प्रधानमंत्री ने सरकार की साल भर चलने वाली योग पहल में लोगों की भागीदारी का भी ज़िक्र किया।

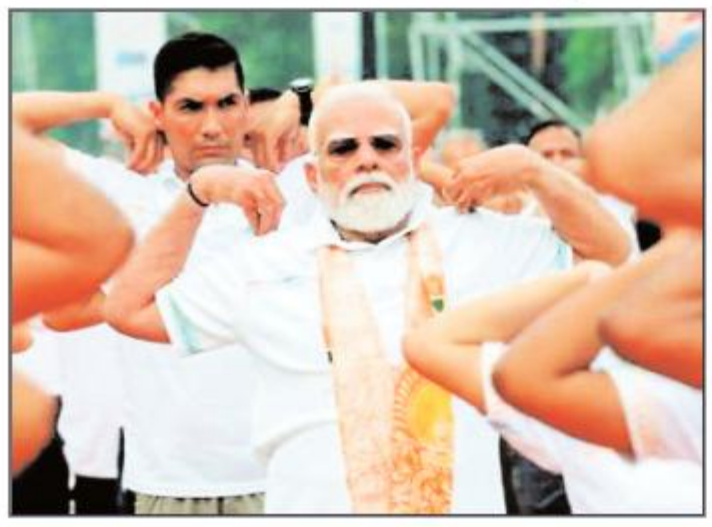

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मोदी के अंगवस्त्र ने खींचा लोगों का ध्यान

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित मुख्य समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिधान ने सबसे ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मोदी ने रविवार को यहां लोगों के साथ योगाभ्यास किया। योग के साथ-साथ उनका पहनावा भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। गौरतलब है कि हर साल योग दिवस पर प्रधानमंत्री का अलग-अलग अंदाज देखने को मिलता है और इस बार भी उन्होंने अपने पहनावे से लोगों का ध्यान आकर्षित किया और कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बार मोदी ने सफेद रंग की कस्टमाइज्ड (स्वनिर्धारित) योग टी-शर्ट और उससे मिलता-जुलता ट्रैक पैंट पहनी थी। इसके साथ उन्होंने काले रंग का चश्मा भी लगाया था, जो देखने में काफी आकर्षक लग रहा था। उनके पोशाक पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आधिकारिक लोगो भी मौजूद था। प्रधानमंत्री के पोशाक का सबसे चर्चित हिस्सा उनके गले में डाला गया विशेष अंगवस्त्रम रहा। इस बार उन्होंने भगवा और सफेद रंग से मिलाकर तैयार किया गया अंगवस्त्रम डाला हुआ था, जिस पर दोनो तरफ बड़ा सा कमल का फूल साफ दिखाई दे रहा था।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है, जो व्यक्ति को आत्मबल, अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अम्बिकापुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सामूहिक योगाभ्यास12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अम्बिकापुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सामूहिक योगाभ्यास मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग वर्तमान समय की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करती है। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग प्रत्येक आयु वर्ग के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से सजग और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाए रखता है।

योग व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से, तथा सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व-चेतना से जोड़ने का सशक्त माध्यम : राष्ट्रपति मुर्मु

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि योग व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से, तथा सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व-चेतना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

विश्व जब अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन, समरसता और सामूहिक कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुर्मु ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जबलपुर में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पूरे विश्व के योग साधकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हम भारत की उस महान परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता को स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग दिखाया है। योग विश्व-समुदाय को हमारी सांस्कृतिक धरोहर की ओर से मिला एक अमूल्य उपहार है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2014 में, भारत की पहल पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

योग करो, रोज करो, मौज करो : स्वामी चिदानन्द

ऋषिकेश। उत्तराखंड में ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन के पीठाधीश्वर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा है कि योग करो, रोज करो, मौज करो।

स्वामी चिदानन्द ने कहा कि योग, केवल अभ्यास नहीं, यह भारत की आत्मा का जागृत स्वर है। यह वह दिव्य विज्ञान है जो मनुष्य को शरीर से ऊपर उठाकर चेतना की ऊँचाइयों तक ले जाता है। माँ गंगा की तरह योग भी हमें निरंतर प्रवाह के साथ जीने का संदेश देता है। इस दौरान परमार्थ निकेतन की अंतरराष्ट्रीय निदेशक डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती, योग साधकों, आध्यात्मिक गुरुओं, सरकारी अधिकारियों तथा स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास में भाग लेकर स्वास्थ्य, सामंजस्य एवं समग्र कल्याण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन परमार्थ निकेतन द्वारा भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुष मिशन उत्तराखण्ड तथा इंडियन योगा एसोसिएशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रमुख योग संस्थानों, सरकारी विभागों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मिलकर समग्र स्वास्थ्य तथा कल्याण को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया। डॉ. साध्वी भगवती ने परमार्थ गंगा तट के दिव्य वातावरण में सभी प्रतिभागियो को ध्यान कराया। 500 से अधिक प्रतिभागियों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल में सहभाग किया। इस 45 मिनट के योग सत्र को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की डॉ. इन्दु शर्मा एवं परमार्थ निकेतन की योगाचार्या गंगा नॅदिनी द्वारा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संचालित किया गया।

अंतर्राट्रीय योग दिवस': योग को जीवनशैली में शामिल करें : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेकाराज्यपाल रमेन डेका इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया एवं सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि यह हर्ष का विषय है कि पूरा छत्तीसगढ़ इस ऐतिहासिक अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहने की कामना की। डेका ने प्रदेशवासियों से कहा कि योग को जीवनशैली में शामिल करें, प्रतिदिन योगाभ्यास की आदत बनाए और बच्चों को भी इसकी आदत डाले जिससे उनका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और वे भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को ही नहीं बल्कि मन और भावनाओं को सुदृढ़ बनाकर व्यक्ति के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर डेका ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विधायकगण सर्वपुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, सुनील सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव विकास शील, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, पुलिस कमिश्नर रायपुर संजीव शुक्ला, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट एक कर्मचारी की मौत, 25 घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के थूथुकुडी ज़िले के मसारपट्टी गांव में शनिवार शाम पटाखा बनाने वाली एक निजी फैक्ट्री में विस्फोट होने से एक कर्मचारी की मौत हो गयी और 25 से ज्यादा लोग घायल हो गये।

सप्ताहांत होने के कारण फैक्ट्री में 50 से ज्यादा कर्मचारी मौजूद थे। कुछ अपनी हफ़्ते भर का वेतन ले रहे थे, तो कुछ पटाखे बना रहे थे। अचानक, एक कमरे में रखे पटाखों में धमाका हो गया, जिससे एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गयी और 25 अन्य घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचे और घायलों को सरकारी अस्पताल पहुँचाया। मृतक कर्मचारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। धमाके की वजह का पता लगाने के लिए आगे की जाँच चल रही है।

संपत्तियां दिवंगत अनिल वासुदेव सालगांवकर की संपत्ति देखभाल के लिए नियुक्त की गयी

ईडी ने गोवा अवैध लौह अयस्क खनन मामले में 1,023.85 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्क

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पणजी क्षेत्रीय कार्यालय (गोवा) ने रविवार को बताया कि उसने सालगांवकर समूह और उसके सहयोगियों (जिन्हें सामूहिक रूप से एवीएस समूह कहा जाता है) से जुड़े बड़े स्तर के अवैध लौह अयस्क खनन मामले में 1,023.85 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।

कुर्क की गयी संपत्तियों में भारत स्थित 459.10 करोड़ रुपये मूल्य की 99 अचल संपत्तियां, सिंगापुर में 471.32 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां और भारतीय कंपनियों में 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं।

ये संपत्तियां दिवंगत अनिल वासुदेव सालगांवकर की संपत्ति (देखभाल के लिए नियुक्त की गयी लक्ष्मी अनिल सालगांवकर के माध्यम से), सालगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, शांतिलाल खुशालदास एंड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, एस. कांतिलाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, सालिथो ओर्स प्राइवेट लिमिटेड, वर्टेक्स न्यूटन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और सुवर्णरेखा पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर हैं।

ईडी ने इस मामले की जांच गोवा की सीआईडी क्राइम ब्रांच के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर अधिनियम) के विभिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। ईडी के अनुसार, उच्चतम न्यायालय ने 21 अप्रैल 2014 और सात फरवरी 2018 के अपने फैसलों में यह माना था कि गोवा में 22 नवंबर 2007 के बाद और नये खनन पट्टे जारी होने तक की गयी सभी खनन गतिविधियां अवैध और बिना किसी कानूनी अधिकार के थीं।

ईडी की जांच में सामने आया कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के बीच 10 खनन पट्टों का संचालन किया।

समूह ने लौह अयस्क के अवैध निष्कर्षण, बिक्री और निर्यात के जरिये 2,492.95 करोड़ रुपये का काला धन जुटाया।

एजेंसी के मुताबिक, अवैध रूप से निकाले गये अयस्क को ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में पंजीकृत शेल कंपनियों या स्पेशल पर्पज व्हीकलों (एसपीवी) को बेहद कम कीमतों पर निर्यात किया गया था। इन कंपनियों ने सिर्फ बिचौलिये का काम किया। इन्होंने इस अयस्क को वापस चीन को बेच दिया। इससे अनुमानित 2,744.89 करोड़ रुपये का अतिरिक्त विदेशी व्यापार मुनाफा कमाया। मामले में अपराध की कुल कमाई लगभग 5,237.84 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

ईडी ने आरोप लगाया कि इन पैसों को ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स और सिंगापुर स्थित एसपीवी के जरिये घुमाया गया।

दिल्ली के सुल्तानपुरी में शराब की दुकान में भीषण आग, एक दमकलकर्मी घायल

नयी दिल्ली। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में शनिवार रात एक शराब की दुकान में भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। आग दुकान के भूतल पर लगी और देखते ही देखते पहली मंजिल तक फैल गयी। इस मंजिल पर दुकान का गोदाम बना हुआ था। सूचना मिलते ही दमकलकर्मियों ने तुरंत बचाव और आग पर काबू पाने का काम शुरू कर दिया।

इस अभियान के दौरान दुकान के अंदर एक दमकलकर्मी घायल हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, फर्श पर बिखरी हुई कांच की टूटी बोतलों के कारण उसका पैर फिसल गया।

उन्हें तुरंत इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि आग लगने की वजह बिजली का शार्ट सर्किट हो सकती है, हालांकि पुलिस और संबंधित अधिकारी मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

पुष्पा फिल्म की तर्ज़ पर नशे की तस्करी : जामुल पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

पिकअप वाहन से 15 किलो गांजा जब्त

दुर्ग। पुष्पा फिल्म की तर्ज़ पर हो रही नशे की तस्करी के आरोपियों को पुलिस ने धरदबोचा। जामुल पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए घासीदास नगर मैदान में घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन से 15 किलो 500 ग्राम गांजा जब्त किया है। शातिर तस्करों ने गांजे को पुलिस की नजरों से बचाने के लिए गाड़ी के स्टेपनी टायरों के भीतर छिपाकर रखा था। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे, पिकअप वाहन, मोबाइल और नगदी की कुल कीमत करीब 17 लाख 72 हजार रुपए आंकी गई है।

मुखबिर की सूचना पर मैदान में घेराबंदी- पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 20 जून को दोपहर करीब 1 बजे जामुल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि घासीदास नगर मैदान में खड़ी एक सफेद रंग की पिकअप (क्रमांक CG 07 CZ 8442) में भारी मात्रा में गांजा रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया।टायरों पर शक हुआ तो मिस्त्री बुलाकर खुलवायाजांच के दौरान पिकअप के अंदर तीन युवक बैठे मिले। जब पुलिस ने वाहन की सघन तलाशी ली, तो प्लास्टिक कैरेट के बीच दो स्टेपनी टायर रखे हुए दिखाई दिए। टायरों को देखकर पुलिस को संदेह हुआ। इसके बाद तत्काल मौके पर एक ऑटो मिस्त्री को बुलाया गया। मिस्त्री से दोनों टायरों को खुलवाया गया, तो पुलिस के होश उड़ गए। तस्करों ने दोनों टायरों के अंदर बकायदा पैकेट बनाकर गांजे को बेहद शातिर तरीके से छिपाया था।31 पैकेटों में मिला 15.5 किलो गांजापुलिस की सघन जांच में एक टायर से 16 पैकेट और दूसरे टायर से 15 पैकेट बरामद हुए। कुल 31 पैकेटों से 15 किलो 500 ग्राम गांजा निकाला गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 7 लाख 50 हजार रुपए है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से गांजा बिक्री की रकम 2 हजार रुपए, चार मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पिकअप गाड़ी को भी जब्त किया है।ये आरोपी हुए गिरफ्तार जामुल पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके नाम इस प्रकार हैं: आकाश जांगड़े (18 वर्ष): निवासी बागडूमर, थाना नंदिनी, जिला दुर्ग.मुकेश कुमार सेन (22 वर्ष): निवासी अटल आवास, घासीदास नगर, जामुल.टिकेश्वर यादव (18 वर्ष): निवासी साडा क्वार्टर, ब्लॉक-डी, घासीदास नगर, जामुल.पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी यह खेप कहाँ से लाए थे और इसे कहाँ खपाने की तैयारी थी।

पैसों के लालच में दिया बैंक खाता, निकला 14 लाख का साइबर ठगी कनेक्शन, पुरानी भिलाई पुलिस ने दर्ज किया मामला

भिलाई। दुर्ग जिले की पुरानी भिलाई पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त इनपुट के आधार पर जब बैंक ऑफ महाराष्ट्र के संदिग्ध खातों की जांच की गई, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ठगों ने अवैध आर्थिक लाभ कमाने के लिए स्थानीय लोगों के बैंक खातों को 'म्यूल अकाउंट' (Mule Account) के रूप में इस्तेमाल कर लाखों रुपए का ट्रांजेक्शन किया है।शाखा चिखली के खाते से हुआ 14 लाख से अधिक का लेन-देन पुलिस जांच में सामने आया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र की चिखली शाखा में संचालित एक विशेष खाते का उपयोग साइबर अपराधियों द्वारा ठगी की रकम को खपाने और स्थानांतरित करने के लिए किया जा रहा था। जब पुलिस ने खाते की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 14,16,645 रुपए का संदिग्ध ट्रांजेक्शन पाया गया।चंद रुपयों के लालच में सौंप दी पासबुक, सिम और एटीएमविवेचना के दौरान यह कड़वा सच सामने आया कि मूल खाताधारक ने चंद पैसों के लालच में आकर अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर दी। उसने अपना बैंक खाता, पासबुक, एटीएम कार्ड और बैंक से लिंक सिम कार्ड किसी अन्य अज्ञात व्यक्ति को सौंप दिया था। साइबर अपराधियों ने इसी का फायदा उठाकर इस खाते को अपना सुरक्षित म्यूल अकाउंट बना लिया और देश भर में की गई ठगी की रकम को इसमें ट्रांसफर करते रहे।भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं के तहत मामला दर्जपुरानी भिलाई पुलिस ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध क्रमांक 258/2026 दर्ज किया है। नए कानूनों के तहत आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(2), 318(3), और 318(4) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे विधिवत वैधानिक पूछताछ व आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने इस घटना के बाद आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात व्यक्ति को पैसों के लालच में आकर अपना बैंक खाता, पासबुक या एटीएम न दें। अगर आपके खाते का उपयोग किसी भी प्रकार के साइबर क्राइम या अवैध लेन-देन के लिए होता है, तो मुख्य अपराधी के साथ-साथ खाताधारक को भी बराबर का दोषी माना जाएगा और उसके खिलाफभी जेल जाने की नौबत आ सकती है।

शाला प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न, नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया गया आत्मीय स्वागत

अम्लेश्वर। विकासखंड पाटन अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सांकरा में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए नियमित अध्ययन तथा विद्यालय से निरंतर जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एस.एम.डी.सी. अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत सांकरा के सरपंच तथा भाजयुमो अध्यक्ष रवि सिंगौर, ग्राम पंचायत मोतीपुर के सरपंच मोहन लोधी, प्राचार्य आर.के. चौरे, व्याख्याता एम.एल. साहू, सांसद प्रतिनिधि मनहरण सिंगौर, विधायक प्रतिनिधि ओमप्रकाश चंद्राकर, पंच श्यामू बंजारे, कान्ता सिंगौर, संतोष सिंगौर, तिहारु बघेल सहित विद्यालय परिवार, पालकगण एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में अतिथियों ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के माध्यम से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने पालकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उन्हें उच्च शिक्षा के लिए निरंतर प्रेरित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि गत शैक्षणिक वर्षों में विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। यह उपलब्धि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा, विद्यार्थियों की मेहनत एवं पालकों के सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उपस्थित अतिथियों ने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय भविष्य में भी उत्कृष्ट परिणामों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परंपरा को बनाए रखेगा। कार्यक्रम में शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। सरपंच रवि सिंगौर ने विद्यार्थियों, पालकों एवं ग्रामवासियों से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु एक पेड़ माँ के नाम अथवा स्वयं के नाम से कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित, स्वच्छ एवं स्वस्थ भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में लंदन बिजनेस डेलिगेशन

छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे जितेंद्र गुप्ता

भिलाई उद्योग चेम्बर ने दी बधाई व शुभकामनाये

भिलाई/.उद्योग चेम्बर के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता भारत सरकार एवं उद्योग जगत के सहयोग से यूनाइटेड किंगडम के लंदन में आयोजित उच्चस्तरीय बिजनेस डेलिगेशन में शामिल होने के लिए 23 जून को लंदन जाएंगे।

इस डेलिगेशन प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत सरकार के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री माननीय पीयूष गोयल कर रहे हैं।

इस बैठक में उद्योग, व्यापार तथा निवेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। साथ ही भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच व्यापारिक एवं औद्योगिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने के अवसरों पर भी विचार-विमर्श होगा।

जितेंद्र गुप्ता वैश्विक मंच पर भिलाई एवं छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता, संभावनाओं तथा यहां के उद्योग जगत की विशेषताओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे। उनके इस प्रतिनिधित्व से प्रदेश के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ-साथ निवेश एवं व्यापार के नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त होने की उम्मीद है।

भिलाई उद्योग चेम्बर ने विश्वास व्यक्त किया है कि,जितेंद्र गुप्ता की यह यात्रा न केवल भिलाई बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगी तथा प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

विशेष अवसर के लिए चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन , भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा,चैयरमैन दिनकर बसोतिया ,उद्योग चेम्बर के पदाधिकारियों व चेम्बर के पदाधिकारियों ने जितेंद्र गुप्ता जी को बधाई व शुभकामनाये दी।

जितेंद्र गुप्ता ने आयोजक संस्थाओं तथा प्रदेश के उद्योग जगत के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता, उद्यमशीलता तथा 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना मेरे लिए गर्व की बात है। उक्त जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए लक्ष्मी भोई का हुआ चयन

सरायपाली। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला रिमजी की छात्रा कुमारी लक्ष्मी भोई का चयन राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में होने पर विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि वर्तमान सत्र में अब तक विद्यालय से 74 विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में हो चुका है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि विद्यालय के प्रधान पाठक ओमप्रकाश साव, शिक्षक कमल नारायण भोई एवं डोलामणी चौहान के सतत मार्गदर्शन, मेहनत एवं विद्यार्थियों के नियमित अभ्यास का परिणाम है। सम्मान समारोह के दौरान कुमारी लक्ष्मी भोई को विद्यालय परिवार की ओर से तिलक लगाकर मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति परीक्षाओं की तैयारी, नियमित अध्ययन तथा लक्ष्य निर्धारण के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। अपने उद्बोधन में कुमारी लक्ष्मी भोई ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन, माता-पिता के सहयोग तथा अपनी निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी लगन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अध्ययन कर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने छात्रा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को प्रति वर्ष 12,000 की छात्रवृत्ति राशि चार वर्षों तक प्रदान की जाती है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई में आर्थिक सहयोग प्राप्त होता है।

बेहतर जीवन शैली के लिए योग आवश्यक

रिसाली निगम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

रिसाली/ बेहतर जीवन शैली के लिए योग आवश्यक है। योग शरीर को निरोग बनाने में सहायक है। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा आयोजित बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग लंगर के योगाचार्य के मार्ग दर्शन में लगभग 250 लोगों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम आरंभ करने से पहले महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी सनीर साहू ने शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम की शुरुवात की। बाद में योग लंगर मैदान में अशोक महेश्वरी के मार्ग दर्शन में योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर पूजा ललित चंद्राकर, पार्षद धर्मेंद्र भगत, डॉ. सीमा साहू, माया यादव, ममता सिन्हा, रमा साहू, सुनंदा चंद्राकर, सविता ढवस, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू समेत बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। आभार प्रदर्शन निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने की।

योगा नृत्य बना आकर्षण- योग लंगर में नियमित अभ्यास करने वाले बच्चों ने योगा नृत्य किया। लगभग 15 मिनट के नृत्य में बच्चो ने संगीत में विभिन्न आसन दिखाए। प्रस्तुति के बाद अतिथियों ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

दिलाई शपथ- कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने योग नियमित करने के लिए स्थल में मौजूद लोगों को शपथ दिलाई।

हाईकोर्ट के आदेश पर भिलाई निगम की कार्रवाई, नंदिनी रोड से अवैध कब्जा हटाया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए जोन-4 शिवाजी नगर क्षेत्र के नंदिनी रोड स्थित ग्रुप-ए भूखंड क्रमांक-2 के पूर्व दिशा में किए गए अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। यह कार्रवाई माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा संरचना के विध्वंस संबंधी पारित आदेश के पालन में की गई। जानकारी के अनुसार उक्त स्थल पर उत्पल घोष द्वारा आवागमन बाधित कर व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। निगम प्रशासन ने 11 जून 2026 को बेदखली की कार्रवाई शुरू की थी, लेकिन उस दौरान कब्जाधारी द्वारा स्वयं अवैध निर्माण हटाने के लिए 24 घंटे का अतिरिक्त समय मांगा गया। मांग को देखते हुए निगम ने कार्रवाई स्थगित कर दी थी। हालांकि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी अवैध कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद बुधवार 17 जून 2026 को निगम प्रशासन ने दोबारा सख्त कार्रवाई करते हुए जोन-4 राजस्व विभाग, बेदखली दल और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम के साथ मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को हटाया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों एवं शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। माननीय न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करते हुए आगे भी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा तथा निगम अमले ने पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। निगम प्रशासन ने नागरिकों से सार्वजनिक भूमि एवं मार्गों पर अतिक्रमण नहीं करने तथा नियमों का पालन करने की अपील की है।

भिलाई निगम आयुक्त का निरीक्षण, विकास कार्यों में तेजी और अवैध निर्माण पर सख्ती के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-03 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन आकांक्षी शौचालय, सार्वजनिक शौचालय, पुल निर्माण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध निर्माण और सड़क पर निर्माण सामग्री रखकर आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफकड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। आयुक्त ने पावर हाउस छावनी थाना के सामने स्थित लाल मैदान का निरीक्षण किया और आवश्यक सुझाव दिये। इसके बाद फल मंडी क्षेत्र में पूर्व से निर्मित शौचालय की स्थिति का जायजा लेते हुए साफ-सफाई बनाए रखने, नलों में टोटी लगाने तथा पानी की बर्बादी रोकने के निर्देश दिए। शौचालय परिसर के समीप नव निर्मित भवन का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान जवाहर मार्केट में नागरिकों और व्यापारियों की सुविधा के लिए बनाए गए सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने कहा गया। वहीं टाटा लाइन रोड के समीप नाली पर निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण करते हुए कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिल सके। आयुक्त ने सड़क पर भवन निर्माण सामग्री रखकर यातायात बाधित करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा वार्डों में नालियों के ऊपर स्लैब डालकर किए गए अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए ऐसे सभी स्लैब हटाने और तोड़ने की कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

टिटवाल LOC पर भिलाई चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सेना के जवानों संग मनाया योग दिवस

महामंत्री अजय भसीन बोले- 'वीर जवानों के साथ योगाभ्यास करना गौरव की बात'

भिलाई। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भिलाई इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बेहद अनोखे और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत अंदाज में मनाया।

चैंबर के पदाधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (LOC) पर स्थित अग्रिम क्षेत्र टिटवाल का दौरा किया और वहां देश की सीमाओं की रक्षा में मुस्तैद भारतीय सेना के वीर जवानों के साथ मिलकर उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया।

देश के रक्षकों संग दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश- इस ऐतिहासिक अवसर पर भिलाई चैंबर के अध्यक्ष ने देश के नौजवानों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश के असल रक्षकों के साथ योग करना बेहद गौरवशाली रहा, जिससे सीमा से पूरे देश में स्वस्थ जीवन और राष्ट्रीय एकता का एक मजबूत संदेश गया है। वहीं, चैंबर के महामंत्री अजय भसीन ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि देश की सीमाओं पर शून्य से नीचे के तापमान और कठिन परिस्थितियों में डटे जवानों के साथ योग दिवस मनाना पूरी टीम के लिए जीवन का सबसे बड़ा और गौरवपूर्ण क्षण है।

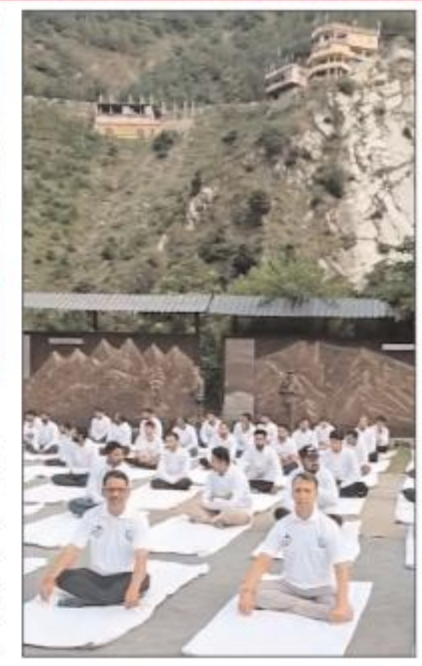

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है योग- कार्यक्रम के दौरान चैंबर के अन्य पदाधिकारियों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह हमारी महान भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह तन, मन और आत्मा के बीच सटीक संतुलन बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। महामंत्री अजय भसीन ने आगे जोड़ा कि सुदूर सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह का आयोजन हमारी देशभक्ति, अनुशासन और एक स्वस्थ जीवनशैली के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

फांसी का सीन रिकॉर्ड करते समय नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

रायपुर। सोशल मीडिया के लिए रील बनाने का शौक एक नवविवाहिता के लिए जानलेवा साबित हुआ। शहर के कोष्टपारा नया गंज मोहल्ले में 22 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के कमरे में सीलिंग फैन से लटका मिला। शुरुआती जांच में सामने आया है कि घटना का पूरा घटनाक्रम उसके मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हुआ है। मृतका की पहचान विशाखा देवांगन (22) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दोपहर में जब वे घर पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दरवाजे की दरार से झांककर देखा तो विशाखा फंदे से लटकी हुई दिखाई दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतका के मोबाइल फोन से एक वीडियो मिला है। बताया जा रहा है कि वीडियो में वह फंदा लगाकर रील रिकॉर्ड करती हुई नजर आ रही है।

खेत से युवती का शव बरामद, धारदार हथियार से हत्या की आशंका

रायपुर। जिले के पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम तुर्रेंगा में एक खेत से अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने प्रथम दृष्टया धारदार हथियार से हत्या की आशंका जताई है और शव की पहचान के लिए आम लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस के अनुसार, ग्राम तुर्रेंगा में खेमसिंह दीवान के खेत में करीब 25 से 30 वर्ष आयु की एक अज्ञात महिला का शव मिला। शव पर गले, जबड़े और ठोड़ी के पास धारदार हथियार से किए गए गंभीर वार के निशान मिले हैं। प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतका ने नीले रंग का गाउन (नाइटी), कत्थई रंग का पेटीकोट और संतरी रंग की चुनरी पहन रखी थी। उसका रंग गोरा, चेहरा गोल और कद लगभग 5 फीट बताया गया है। दोनों हाथों में हरे रंग की चूड़ियां और एक कत्थई रंग का कंगन, गले में लाल रेशमी धागे में बाजारू मंगलसूत्र, दोनों पैरों में पायल और बिछिया पहनी हुई थी। पैरों के नाखूनों पर लाल रंग की नेल पॉलिश भी लगी हुई थी। पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों से अपील की है ।

चरित्र संदेह में पति की क्रूरता: मारपीट कर अमानवीय प्रताड़ना देने का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले के काटकोना गांव में एक महिला ने अपने पति पर गंभीर प्रताड़ना और अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसके चरित्र पर संदेह करते हुए पहले उसके बाल काटकर सिर मुंडवा दिया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई तथा अपमानजनक व्यवहार किया गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें परिवार के अन्य सदस्य और बच्चे दिखाई दे रहे हैं।बताया जा रहा है कि पीड़िता सूरजपुर जिले के करंजी क्षेत्र की रहने वाली है। महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए पति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पटना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान हितैषी नीतियों ने दिलाई छत्तीसगढ़ को नई पहचान

छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था की प्रतिनिधिमंडल ने की सराहना

- छत्तीसगढ़ के कृषि विकास मॉडल का अध्ययन करने पहुंचा महाराष्ट्र का विधायक दल
- छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसान हितैषी योजनाओं और कृषि विकास मॉडल का किया अध्ययन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की समृद्ध आदिवासी कला एवं संस्कृति के प्रतीक बस्तर आर्ट का स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समन्वित रूप से

कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ कृषि निवेश में सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा खरीफविपणन वर्ष में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2700 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से धान की खरीदी की जाती है। धान के सुरक्षित भंडारण के लिए संग्रहण केंद्रों और गोदामों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए पंजीयन से लेकर धान तौल, परिवहन और भुगतान तक की प्रक्रिया को तकनीक आधारित और सरल बनाया गया है। किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री ने कृषक उन्नति योजना सहित राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा किसानों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आमदनी में वृद्धि हो रही है। चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है। उन्होंने इस मॉडल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर महाराष्ट्र के धान उत्पादक क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही।

युवक पर हमला कर 19 हजार की लूट.....

रायपुर। राजधानी रायपुर के माना कैंप थाना क्षेत्र में देर रात एक युवक से लूट की वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाशों ने युवक के सिर पर हमला कर उसे सड़क पर गिरा दिया और मारपीट करते हुए 19 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, पीड़ित निलेश घोष (26) कांकेर जिले के पखांजूर का रहने वाला है और वर्तमान में रायपुर के कमल विहार सेक्टर-4 स्थित वेलफेयर कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर एक रियल एस्टेट कंपनी में कार्यरत है।निलेश ने बताया कि 14 जून की रात करीब एक बजे वह कंपनी से भुगतान के 19 हजार रुपये लेकर अपनी बाइक से पखांजूर के लिए रवाना हुआ था। डुमरतराई स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाने के बाद वह आगे बढ़ रहा था, तभी दो बाइकों में सवार अज्ञात युवक उसके पास पहुंचे और सिर पर किसी वस्तु से हमला कर दिया। हमले से वह सड़क पर गिर गया।इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए उसकी जेब में रखे 19 हजार रुपये लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।घटना के तीन दिन बाद पीड़ित की शिकायत पर माना कैंप थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 309(6) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर में आएंगे राहुल गांधी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने आगामी चुनावी मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी नेतृत्व ने जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्षों के लिए 21 से 30 जून तक रायपुर जिले के अभनपुर में 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस शिविर का उद्देश्य संगठनात्मक क्षमता बढ़ाना और नेताओं को भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की खास बात यह है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शिविर में शामिल होने

की सहमति दी है। उनके शामिल होने से कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया है। शिविर में जिला स्तर के नेताओं को राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें संगठन और चुनावी रणनीति की बेहतर समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। केसी वेणुगोपाल ने जारी किए निर्देश अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों और शहर कांग्रेस अध्यक्षों को पत्र जारी कर प्रशिक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह कार्यक्रम केवल औपचारिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान, डिजिटल कम्युनिकेशन और सोशल मीडिया रणनीति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की आधारशिला है। इसी सोच के तहत जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित कर संगठन को नई ऊर्जा देने की तैयारी की जा रही है।

स्वस्थ बच्चे ही देश का मजबूत भविष्य-राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

- कुपोषण के खिलाफ बलौदाबाजार की बड़ी पहल-सुपोषित बचपन अभियान का शंखनाद
- 9 हजार बच्चों को सप्ताह में 6 दिन मिलेंगे विशेष पौष्टिक लड्डू

रायपुर/ संवाददाता

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से कुपोषण को जड़ से मिटाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। राज्य के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने शुक्रवार को नगर भवन बलौदाबाजार में आयोजित कार्यक्रम में सुपोषित बचपन अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पौष्टिक लड्डू खिलाकर उन्हें कुपोषण से लड़ने और मजबूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने जिला प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए एक बेहद सकारात्मक सोच के साथ इस अभियान की शुरुआत हुई है। यदि हमारे बच्चे स्वस्थ रहेंगे, तभी देश का भविष्य भी मजबूत होगा। इस विशेष पौष्टिक लड्डू में कई तरह के उच्च पोषक तत्व शामिल हैं, जो बच्चों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार लाएंगे। ?मंत्री श्री वर्मा ने माता-पिता की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक विकास के लिए अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है। उन्होंने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को प्रेम के साथ अनुशासन भी सिखाएं और उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक बनाएं। कलेक्टर ने कार्यक्रम में अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि जिले के 1626 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 1500 केंद्रों के लगभग 9000 बच्चे गंभीर एवं मध्यम कुपोषित चिन्हित किए गए हैं। इन सभी बच्चों को आगामी 6 माह के भीतर सुपोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत इन बच्चों को सप्ताह में 6 दिन, प्रतिदिन सुबह 10 बजे आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका द्वारा एक-एक पौष्टिक लड्डू खिलाया जाएगा। इन लड्डुओं का निर्माण स्थानीय स्तर पर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा। इसमें गेहूं, बेसन, रागी, मुनगा (सहजन) पाउडर, गुड़, तिल और मूंगफली जैसे उच्च पौष्टिक पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है।

उर्वरकों की उपलब्धता पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की....

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए राज्य में अवैध शराब की बिक्री, किसानों के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर राज्य एवं केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर सरकार से स्थिति स्पष्ट करने और आवश्यक कदम उठाने की मांग की। दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सत्ता पक्ष के कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा भी सार्वजनिक मंचों पर इस विषय का उल्लेख किया गया है। बैज ने आरोप लगाया कि बाजार में बिना होलोग्राम और कथित नकली शराब की बिक्री की शिकायतें मिल

रही हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों से मामले की जांच कराने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को उर्वरकों की मांग और उपलब्धता की स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए। कांग्रेस ने मांग की कि राज्य सरकार इस वर्ष के लिए अनुमानित आवश्यकता, उपलब्ध भंडारण और वितरण व्यवस्था की जानकारी देते हुए श्वेत पत्र जारी करे, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। बैज ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बीते दिनों में ईंधन के दामों में लगातार वृद्धि हुई है, जिसका असर आम लोगों और परिवहन लागत पर पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मूल्य वृद्धि के कारणों को स्पष्ट करने और महंगाई पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। पत्रकार वार्ता में दीपक बैज ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता जैसे मुद्दे आम जनता से सीधे जुड़े हुए हैं।

पुलिस की कार्रवाई 209 किलो गांजा जब्त किया

रायपुर। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सक्ती पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ओडिशा से राजस्थान ले जाए जा रहे लगभग 209 किलोग्राम गांजा को जब्त करते हुए एक युवक और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान गांजा, ट्रेलर, फ्लोर्सपार पाउडर और मोबाइल फोन समेत कुल 1 करोड़ 66 लाख 20 हजार 460 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल तथा एसडीओपी डभरा सुमीत गुप्ता के मार्गदर्शन में चौकी फागुरम और थाना डभरा पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। चौकी फागुरम प्रभारी उप निरीक्षक अनवर अली के नेतृत्व में पुलिस को 17 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रेलर में बड़ी मात्रा में अवैध गांजा भरकर ओडिशा से राजस्थान ले जाया जा रहा है।सूचना मिलते ही पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए ग्राम बोडासागर स्थित सागर फैमिली ढाबा के सामने खरसिया-डभरा मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी कर सघन जांच अभियान शुरू किया। इस दौरान संदिग्ध टाटा सिगना ट्रेलर क्रमांक ञ्ज09लष्ट 5216 को रोककर तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान ट्रेलर में रखी 8 प्लास्टिक बोरियों से कुल 40 पैकेट गांजा बरामद किया गया। प्रत्येक पैकेट का वजन लगभग 5 किलोग्राम था। जब्त गांजा का कुल वजन 208.965 किलोग्राम पाया गया।

कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम की बड़ी कार्रवाई

निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री पर जब्ती

- दुर्ग जिले के 135 खाद विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण, अमानक उर्वरक जब्त
- नियमों के उल्लंघन पर 7 विक्रेताओं को नोटिस, कई केंद्रों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

रायपुर/ संवाददाता

कृषि विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा समय-समय पर खाद, बीज और कीटनाशकों की गुणवत्ता जांचने और कालाबाजारी रोकने के लिए औचक निरीक्षण किए जाते हैं। हाल ही में कई जिलों में उड़नदस्ता टीमों ने बड़ी कार्रवाई की। खरीफसीजन 2026 के दौरान किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद-बीज की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से दुर्ग जिले में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार कृषि विभाग की जिला स्तरीय उड़नदस्ता टीम द्वारा जिलेभर में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के 135 निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। जांच के दौरान स्टॉक संधारण में अनियमितता तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर 7 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के दौरान फ्लेन्द्र कृषि केन्द्र, सेलूद से 18.5 लीटर, शीतल कृषि केन्द्र, रानीतराई से 19 लीटर तथा देवेश साहू कृषि केन्द्र, धमधा से 5 लीटर बायो-स्टिम्यूलेंट जब्त किया गया। इन केंद्रों द्वारा उर्वरक अनुज्ञप्ति में अतिरिक्त स्त्रोतों का समावेश किए बिना उत्पादों का विक्रय किया जा रहा था। इसी प्रकार मेसर्स ञ्जभराज फर्टिलाइजर में यूरिया एवं एनपीके उर्वरक के भंडारण एवं विक्रय में अनियमितता पाई

गई। वहीं मेसर्स विद्या कृषि केन्द्र, बोरी तथा मेसर्स कृषि सेवा केन्द्र, पाटन में निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री किए जाने के मामले सामने आए। इन प्रकरणों में संबंधित उर्वरकों को जब्त कर कलेक्टर न्यायालय में कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया गया है। कृषि विभाग द्वारा लिए गए उर्वरक नमूनों के परीक्षण में 5 विक्रय केंद्रों के उर्वरक अमानक स्तर के पाए गए हैं। ऐसे उर्वरकों के जिले में विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध लगाते हुए संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ करने, कालाबाजारी करने, अमानक उर्वरकों का विक्रय करने अथवा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित अथवा निरस्त किए जाने के साथ वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। विभाग ने सभी उर्वरक विक्रेताओं एवं सहकारी समितियों को किसानों को निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी या अधिक मूल्य वसूली की शिकायत निकटतम कृषि विभाग कार्यालय में तत्काल दर्ज कराएं। खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी जारी रहेगी।

संपादकीय

विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता?

यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या किसी विमान दुर्घटना के कारणों का गहराई से विश्लेषण कर संचालन व्यवस्था में सुरक्षात्मक उपायों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाता है?देश में हवाई सफर को सुलभ एवं किफायती बनाने के लिए विमान सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। नए-नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों का निर्माण किया जा रहा है। मगर यात्रियों की सुरक्षा के मोर्चे पर माकूल व्यवस्था का अभाव आज भी साफ नजर आता है।तकनीकी खराबी, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी, मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां और सतर्कता की गंभीरता को नजरअंदाज किए जाने से होने वाली मानवीय चूक का ही नतीजा है कि विमान हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। असम के जोरहाट में शनिवार को एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें वायुसेना के पांच कर्मियों की जान चली गई।सवाल है कि देश भर में अब तक हुए विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? कोई एक ही तरह की खामी बार-बार हादसों का कारण कैसे बन रही है? क्या दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को आर्थिक मदद मुहैया करा देने भर से विमानन कंपनियों और संबंधित नियामक प्राधिकरणों की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है! भविष्य में इस तरह के हादसों पर रोक लगाने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व आखिर किसका है?इसमें दोराय नहीं कि ह्वाल के वर्षों में हवाई यात्रा की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर इसी अनुपात में पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती नहीं हो पाई है। इस कारण मौजूदा संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ा है, जिससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, लगभग पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारक होती है। विमान के उड़ान भरने और जमीन पर उतरते समय जब स्थिति बिगड़ती है, तो काकपिट में होने वाला भ्रम भी ह्वादसों का कारण बनता है।खबरों के मुताबिक, एएन-32 परिवहन विमान के साथ भी यही हुआ, हवाईअड्डे पर उतरते समय विमान का नियंत्रण बिगड़ गया और वह रनवे से फिसल कर दो हिस्सों में टूट गया, जिससे उसमें आग लग गई। इसके अलावा हिमालयी क्षेत्रों में मौसम और भौगोलिक बनावट भी उड़ान संचालन के लिए बेहद जोखिम भरी होती है। कई बार मौसम पूर्वानुमान की सटीक जानकारी न होने से विमान ह्वादसे का शिकार हो जाता है। उपायों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाता है?ह्वालांकि, ह्वादसों की जांच और विश्लेषण की प्रक्रिया में समूचे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई विमान दुर्घटनाओं की जांच रिपोर्ट तो सार्वजनिक ही नहीं की जाती है।

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता।

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

(नीरज कुमार दुबे)

लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिर्फ उत्पादन नहीं, सामाजिक न्याय की कसौटी पर कसी जाए ऊर्जा नीति

(विजयशंकर चतुर्वेदी)

वित्तीय सुधारों के बावजूद कई राज्यों में सब्सिडी भुगतान में देरी, जर्जर स्थानीय अवसंरचना, राजनीतिक हस्तक्षेप और कमजोर वसूली प्रणाली जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। भारत की ऊर्जा नीति इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उपलब्धियों के चमकदार आंकड़े और वितरण की जमीनी वास्तविकताएं साथ-साथ दिखाई देती हैं। पिछले एक दशक में देश ने बिजली उत्पादन, ग्रिड विस्तार और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।मगर किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए असली प्रश्न केवल यह नहीं होता कि वह कितनी बिजली पैदा कर रहा है, बल्कि यह भी होता है कि उस बिजली का लाभ किसे और कितनी समानता के साथ मिल रहा है।

इसी बिंदु पर उत्पादन और वितरण, उपलब्धि एवं अधिकार और विकास तथा समानता के प्रश्न एक-दूसरे से टकराते हैं। ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में मिली सफलताओं को ऊर्जा न्याय में बदल पाना आज भारतीय ऊर्जा नीति की सबसे बड़ी परीक्षा है।

बिजली उत्पादन के मोर्चे पर उपलब्धियां निर्विवाद हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और विद्युत मंत्रालय के अनुसार, 31 जनवरी 2026 तक देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 5,20,511 मेगावाट तक पहुंच चुकी थी, जो वर्ष 2013-14 के लगभग 224 गीगावाट के स्तर की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। कुल स्थापित क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 52 फीसद से ऊपर पहुंच चुकी है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 273 गीगावाट के आस-पास है।

पिछले वित्तीय वर्ष के शुरुआती दस महीनों में 52,537 मेगावाट नई क्षमता जोड़ी गई, जिसमें अधिकांश योगदान अक्षय ऊर्जा का रहा। राष्ट्रीय ग्रिड अब 242 गीगावाट की रिकॉर्ड मांग को संभालने में सक्षम है। इन उपलब्धियों ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संक्रमण के अग्रणी देशों में शामिल किया है, लेकिन क्या राष्ट्रीय ग्रिड की यह प्रचुरता हर नागरिक के लिए भी उतनी ही वास्तविक और विश्वसनीय है, जितनी वह सरकारी आंकड़ों में दिखाई देती है? माना कि देश में सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण का लक्ष्य लगभग हासिल किया जा चुका है। मगर बिजली का मीटर लगा देना और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति एक ही बात नहीं हैं। शहरी क्षेत्रों में औसतन 23 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 21 घंटे बिजली उपलब्ध होने के सरकारी दावों के बावजूद जमीनी वस्तुस्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के अनेक सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी अंचलों और पहाड़ी इलाकों में आज भी मामूली तकनीकी खराबी के बाद बिजली आपूर्ति लंबे समय तक बाधित हो जाती है। शहरों में ट्रांसफार्मर खराब होने पर मरम्मत अपेक्षाकृत तेजी से होती है, जबकि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में यही प्रक्रिया अधिक समय लेती है। कृषि क्षेत्र में बिजली की अनिश्चित उपलब्धता किसानों की उत्पादकता को प्रभावित करती है। अनेक राज्यों में कृषि और घरेलू फीडरों के पृथक्करण का कार्य अभी भी अधूरा है। ऊर्जा क्षेत्र की यह विषमता वितरण व्यवस्था में और स्पष्ट दिखाई देती है। महानगरों और बड़े औद्योगिक केंद्रों में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता अपेक्षाकृत बेहतर है। निजी वितरण कंपनियों के प्रवेश के बाद कई शहरों में उपभोक्ता सेवाओं, शिकायत निवारण और बिलिंग व्यवस्था में सुधार हुआ है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि ऊर्जा वितरण की चुनौतियां समाप्त हो गई हैं। नतीजा यह कि राष्ट्रीय औसत में सुधार के बावजूद अनेक क्षेत्रों में सेवा की गुणवत्ता अब भी असंतोषजनक है। दरअसल, सेवा गुणवत्ता में यही असमानता उस बड़े नीतिगत प्रश्न की ओर संकेत करती है कि आखिर ऊर्जा व्यवस्था का उद्देश्य केवल बिजली बेचना है या उसे एक सार्वजनिक अधिकार के रूप में उपलब्ध कराना भी है? यहीं ऊर्जा न्याय का संवेदनशील प्रश्न सामने आता है। जब बिजली की मांग उपलब्धता के बराबर पहुंचने लगे या आपूर्ति पर दबाव बढ़े, तब प्राथमिकता किसे मिलनी चाहिए? बड़े उद्योगों को, जो आर्थिक विकास और रोजगार का आधार हैं या ग्रामीण अस्पतालों, स्कूलों, सिंचाई प्रणालियों और छोटे कस्बों को, जिनके लिए बिजली विकास ही नहीं बल्कि जीवन और आजीविका की बुनियादी आवश्यकता है? भारत की सौर ऊर्जा क्षमता दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा कार्यक्रमों में शामिल है, लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हरित ऊर्जा का लाभ केवल बड़े निवेशकों और चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित न रह जाए। यदि इस ऊर्जा का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक नहीं पहुंचा, तो नई ऊर्जा व्यवस्था भी पुरानी असमानताओं को दोहरा सकती है। यह आशंका भी बनी रहेगी कि जीवाश्म ईंधन आधारित व्यवस्था की खामियों का स्थान हरित ऊर्जा की नई कमियों से न भर दिया जाए। भारत की ऊर्जा यात्रा सुरक्षा से शुरू हुई थी। अब उसकी अगली मंजिल ऊर्जा न्याय होनी चाहिए। ऊर्जा केवल अर्थव्यवस्था का ईंधन नहीं, बल्कि समान अवसर, सामाजिक गरिमा और विकास की आधारशिला भी है। (यह लेखक के अपने विचार है)

मोदी की फ्रांस, स्लोवाकिया यात्रा से बदले वैश्विक समीकरण, दुनिया को दिखा नए भारत का दम

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। खासतौर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मोदी का स्वागत जिस धुरंधर स्टाइल में किया, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया कि मोदी वैश्विक राजनीति के सबसे बड़े धुरंधरों में गिने जाते हैं। इस यात्रा के दौरान यूरोप की धरती पर भारत की बढ़ती ताकत और मोदी की वैश्विक लोकप्रियता हर तरफ दिखाई दी। फ्रांस से लेकर स्लोवाकिया तक भारतीय समुदाय ने अपने प्रधानमंत्री का जिस उत्साह, जोश और भारतीय अंदाज में स्वागत किया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी।

हाथों में तिरंगा, भारत माता के जयकारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यह दिखा दिया कि दुनिया भर में बसे भारतीय आज अपने देश की बढ़ती प्रतिष्ठा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि मोदी की यह यात्रा केवल एक विदेशी दौरा नहीं रही, बल्कि दुनिया के सामने नए और शक्तिशाली भारत का दमदार प्रदर्शन बन गई।

देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। विशेष रूप से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को जिस तरह भारतीय रंग दिया, वह भारत की बढ़ती सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत की स्वीकारोक्ति थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो, मोदी और मैक्रों की आत्मीयता और नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन ने यह साबित किया कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब केवल हथियार खरीद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक नेतृत्व की साझेदारी में बदल चुका है।

मोदी और मैक्रों की बैठक में जो सबसे महत्वपूर्ण संदेश उभरा, वह था रक्षा सहयोग का नया प्रारूप। भारत ने साफ कर दिया कि अब वह केवल विदेशी हथियारों का खरीदार नहीं रहेगा। राफेल कार्यक्रम को लेकर भारत ने सह विकास, सह डिजाइन, सह उत्पादन और सह निर्माण की नीति अपनाकर अपनी रणनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बयान इस बात का संकेत है कि मोदी सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को निर्णायक रूप से आगे बढ़ा रही है।

देखा जाये तो राफेल केवल एक युद्धक विमान नहीं है बल्कि यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल विमानों ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को बदल दिया है। अब भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल समुद्री विमानों का समझौता और भविष्य में बड़े राफेल कार्यक्रम की तैयारी यह दिखाती है कि भारत हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक अपनी सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। इन विमानों की लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता, अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली और बहु भूमिका युद्ध कौशल भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों के खिलाफ निर्णायक बढ़त देते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब राफेल का निर्माण और उसके पुर्जों का उत्पादन भारत में करने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है। इसके जरिये भारत विश्व का

प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र बन सकता है। इससे न केवल लाखों कुशल रोजगार पैदा होंगे बल्कि भारत का रक्षा औद्योगिक ढांचा भी मजबूत होगा। यह बदलाव दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव डालेगा। अब तक हथियार आयात पर निर्भर भारत धीरे धीरे रक्षा निर्यातक राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के पक्ष में और अधिक झुकता दिखाई देगा।

राफेल, एआई और रणनीति... मोदी ने यूरोप में रचा नया इतिहास

साथ ही फ्रांस के साथ भारत की साझेदारी केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। भारत फ्रांस नवाचार रोडमैप 2030, कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य समूह, आर्थिक सुरक्षा संवाद और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर सहयोग जैसे फैसले इस बात का संकेत हैं कि दोनों देश आने वाले दशकों की वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रतिस्पर्धा को साथ मिलकर आकार देना चाहते हैं।

नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक क्षण साबित हुआ। एक सौ बीस से अधिक भारतीय डीप टेक स्टार्टअप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भागीदारी और वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। मोदी ने सही कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता केवल हितों का नहीं, बल्कि साझा दृष्टि का रिश्ता है। मैक्रों द्वारा भारत की चंद्रयान उपलब्धि और नवाचार क्षमता की खुली प्रशंसा इस बात का प्रमाण है कि विश्व अब भारत को तकनीकी महाशक्ति के रूप में देखने लगा है।

फ्रांस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू था अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहयोग। छोटे और उन्नत परमाणु रिएक्टरों पर सहयोग तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में साझेदारी भारत को भविष्य की रणनीतिक तकनीकों में अग्रणी स्थान दिला सकती है। यही कारण है कि भारत फ्रांस संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से निकलकर भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की धुरी बनते दिख रहे हैं। देखा जाये तो मोदी की यह पूरी यूरोपीय यात्रा दरअसल भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है। एक ओर फ्रांस जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के साथ रक्षा और तकनीकी गठजोड़ को नई ऊंचाई दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्लोवाकिया जैसे देशों के माध्यम से यूरोप में भारत का प्रभाव क्षेत्र विस्तारित किया जा रहा है। यह नीति भारत को ग्लोबल साउथ और पश्चिमी शक्तियों के बीच एक संतुलित, विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज दुनिया के बदलते भू राजनीतिक माहौल में भारत जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी रणनीतिक दिशा तय कर रहा है, उसके केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय और दूरदर्शी कूटनीति है। चाहे रक्षा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हो, वैश्विक नवाचार में नेतृत्व की महत्वाकांक्षा हो या यूरोप के साथ बहुआयामी साझेदारी का विस्तार, मोदी सरकार ने हर मोर्चे पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कलेक्टर नम्रता जैन ने किया राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य का सघन निरीक्षण

निर्माण एजेंसियों को गुणवत्तायुक्त समय पर पूर्ण करने के निर्देश

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130-डी के निर्माण कार्यों का जमीनी स्तर पर व्यापक निरीक्षण किया। वर्षा ऋतु के आगमन से पूर्व सड़क, पुलिया एवं पुल निर्माण कार्यों की वास्तविक प्रगति, गुणवत्ता तथा सुरक्षा मानकों का आकलन करने के उद्देश्य से किए गए इस निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अधियंता सहित निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जैन ने किलोमीटर 44.800 से लेकर किलोमीटर 20.700 तक के विभिन्न निर्माण स्थलों का दौरा कर कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किलोमीटर 44.800 पर निर्माणाधीन बॉक्स पुलिया (1×2×2) के स्लैब स्टील की गहन जांच की गई। वहीं किलोमीटर 43.170 पर स्थित माइनर ब्रिज के रिटेनिंग वॉल और स्लैब निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अप्रोच फिलिंग, अर्थवर्क और बेस फिलिंग के कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ किए जाएं ताकि भारी बारिश के दौरान मिट्टी कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न न हों। निर्माण कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए किलोमीटर 35.600 पर डीबीएम की मोटाई की मौके पर ही भौतिक जांच की गई। जांच में डीबीएम की मोटाई 54.35 मिमी और 54.18 मिमी पाई गई, जो निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप है। इस पर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा किलोमीटर 20.700 पर निर्माणाधीन स्पन माइनर ब्रिज (2×6.00 मीटर) का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने अप्रोच रोड निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि वाहनों की आवाजाही निर्बाध और सुरक्षित रूप से संचालित हो सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि बस्तर अंचल के लिए महत्वपूर्ण लाइफलाइन मार्ग एनएच-130डी के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने मानसून को ध्यान में रखते हुए जलभराव संभावित क्षेत्रों में रिटेनिंग वॉल सहित शेष निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर नम्रता जैन ने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता परीक्षण और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण होना चाहिए, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता प्रज्ञानंद, एसडीओ जीएस शोरी सहित उप अभियंता एवं निर्माण एजेंसी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ ने बड़ेकनेरा में बायोगैस संयंत्र का किया निरीक्षण

स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और प्रभावी बनाने दिए निर्देश

कोण्डागांव। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में स्थापित बायोगैस संयंत्र का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संयंत्र की कार्यप्रणाली, गोबर की उपलब्धता, गैस उत्पादन एवं उपयोग की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भोई ने जनपद पंचायत कोण्डागांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को बायोगैस संयंत्र की निरंतर क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मात्रा में गोबर की नियमित उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बायोगैस संयंत्र न केवल स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम भी है। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए प्रत्येक घर एवं सामुदायिक स्तर पर गीले, सूखे, घरेलू जोखिमयुक्त तथा स्वच्छता अपशिष्ट के पृथककरण हेतु चार प्रकार के डस्टबिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन तथा स्रोत स्तर पर अपशिष्ट पृथककरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने, जैविक अपशिष्टों के बेहतर उपयोग तथा ग्राम पंचायतों को स्वच्छ एवं हरित बनाने के लिए सतत प्रयास करने का आह्वान किया।

टी.बी. मुक्त कोंडागांव के लिए स्वास्थ्य विभाग का विशेष अभियान शुरू, निक्षय निरामय कार्यक्रम के तहत 22 वार्डों में चल रही जांच

कोण्डागांव। जिले को टी.बी. (क्षय रोग) मुक्त बनाने तथा नशापान करने वाले व्यक्तियों में स्वास्थ्य जांच और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'निक्षय निरामय कार्यक्रम' के तहत विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नगर के सभी 22 वार्डों में टी.बी. एवं नशा पान करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनकी जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने शहरी क्षेत्र कोण्डागांव में 1000 लोगों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत 19 से 25 जून तक एक्स-रे जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य टी.बी. रोगियों की शीघ्र पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करना है। अभियान के सफल संचालन में सेक्टर प्रभारी प्रफुल देवांगन, सेक्टर सुपरवाइजर नवीन बिसोई, लिपि चंद्राकर सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम, आरएचओ, सीएचओ एवं मितानिनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अभियान के पहले दिन नहरपारा वार्ड में 52 तथा सरगीपाल वार्ड में 43 लोगों का एक्स-रे किया गया। स्वास्थ्य विभाग को उम्मीद है कि इस पहल से टी.बी. रोग की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित होगा तथा जिले को टी.बी. मुक्त बनाने के लक्ष्य को गति मिलेगी।

घायल की मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल अस्पताल और 108 सेवा पर परिजनों ने लगाए आरोप

फरसगांव। फरसगांव में एक सड़क हादसे के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि गंभीर रूप से घायल युवक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा, लेकिन न समय पर 108 एंबुलेंस पहुंची और न ही उसे तत्काल जरूरी सुविधाएं मिल सकीं। परिजनों का दावा है कि करीब ढाई घंटे तक एंबुलेंस का इंतजार होता रहा और ऑक्सीजन जैसी बुनियादी सुविधा भी समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई। वहीं जब विस्तार न्यूज की टीम मामले की पड़ताल करने अस्पताल पहुंची, तो 108 एंबुलेंस अस्पताल परिसर में चालू हालत में खड़ी मिली और कर्मचारियों ने कैमरे पर जवाब देने से भी इनकार कर दिया। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या लापरवाही और जवाबदेही की कमी ने एक युवक की जान ले ली?

समय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जान : परिजन

बता दें कि ग्राम बेलभाटा में पिकअप और बाइक की जोरदार भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को फरसगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की बात कही गई। लेकिन यहीं से शुरू हुई आरोपों की लंबी फेहरिस्त। मृतक घुड़उ राम माली के परिजनों का आरोप है कि रात करीब 8 बजे 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई थी, लेकिन वाहन करीब ढाई घंटे बाद रात 10:30 बजे अस्पताल पहुंचा। इस दौरान गंभीर रूप से घायल युवक अस्पताल में ही तड़पता रहा और आखिरकार उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि अगर एंबुलेंस समय पर पहुंच जाती तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी।

पीड़ित परिवार ने सरकार से की मुआवजे की मांग

परिजनों के आरोप केवल एंबुलेंस की देरी तक सीमित नहीं हैं। उनका कहना है कि गंभीर रूप से घायल घुड़उ राम माली को समय पर ऑक्सीजन भी उपलब्ध नहीं कराई गई और लंबे समय तक अस्पताल परिसर में ही छोड़ दिया गया। सवाल यह है कि जब मरीज की हालत नाजुक थी तो उसे तत्काल रेफर क्यों नहीं किया गया? अस्पताल में जरूरी संसाधन मौजूद थे या नहीं? और 108 एंबुलेंस सेवा को पहुंचने में आखिर ढाई घंटे क्यों लग गए? इन सवालों के जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं हैं, लेकिन एक युवक की मौत ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था और 108 सेवा की कार्यप्रणाली को कठघरे में जरूर खड़ा कर दिया है। अब परिजन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

108 की कार्यशैली पर भी उत्तर सवालिया निशान

इसी मामले की पड़ताल करने जब पायनियर की टीम फरसगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची, तो अस्पताल परिसर के सामने 108 एंबुलेंस खड़ी मिली। टीम ने देखा कि वाहन में कोई मरीज नहीं था। ड्राइवर और एक स्टाफ गाड़ी हैंडओवर करने फरसगांव आए थे। लेकिन हैंडओवर देना छोड़ कर दोनों काफी देर तक वाहन चालू कर के एसी में बैठे नजर आए। जबकि सरकारी संसाधनों का इस तरह उपयोग कई सवाल खड़े करता है। जब हमारे संवाददाता ने इस संबंध में 108 के ड्राइवर गोलमोल जवाब देते नजर आए वहीं

28 स्कूल बसों का किया गया भौतिक निरीक्षण

कोण्डागांव। परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोंडागांव जिले के समस्त स्कूल बसों की जांच की गई एवं चालक परिचालक का नेत्र एवं स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया, संयुक्त जांच के दौरान कुल 28 स्कूल बसों का भौतिक निरीक्षण किया गया। जिसमें वाहन चालकों का लाइसेंस व वाहनों के समस्त दस्तावेज की वैधता की जांच की गई जैसे- फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, पंजीयन प्रमाण पत्र, मोटरयान कर आदि की जांच कि गई साथ ही वाहनों में सुरक्षा मानकों जैस अग्निशामक यंत्र, कैमरा, जीपीएस डिवाइस, स्पीड लिमिट डिवाइस, आपातकालीन दरवाजा, प्राथमिक उपचार पेटी की भी जांच की गई। जांच अभियान के दौरान कुल 07 वाहनों में सामान्य कमियां पाई गई जिसें आवश्यक सुधार कर 07 दिवस के भीतर पुनः जिला परिवहन कार्यालय में निरीक्षण हेतु प्रस्तुत करने संबंधित को निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के द्वार स्कूल बसों के वाहन चालक व परिचालकों का बीपी, शुगर एवं नेत्र परीक्षण किया गया। जिसके 01 वाहन चालकों का नेत्र दृष्टि कमजोर पाया गया है जिन्हे चश्मा लगाने हेतु परामर्श दिया गया है।

प्राथमिक शाला बड़ेपल्ली एवं बेंगपाल में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

किरंदुल। विकासखंड कुआकोंडा के सुदूर एवं दुर्गम अंचल में स्थित प्राथमिक शाला बड़ेपल्ली एवं प्राथमिक शाला बेंगपाल में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन अत्यंत हर्ष एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।शासन की मंशा के अनुरूप इस वर्ष दूरस्थ अंचल की नव प्रारंभ एवं पहुंचविहीन संस्थाओं में विभागीय अधिकारियों द्वारा स्वयं पहुंचकर शाला प्रवेश उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया हैं, इसी क्रम में यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी कुआकोंडा प्रमोद भदौरिया, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज सिंह राठौर, विकासखंड मध्यान्ह भोजन प्रभारी संतु नाग एवं संबंधित संकुल केंद्र के संकुल समन्वयक की उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यादायिनी मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया।तत्पश्चात अधिकारियों एवं शिक्षकों द्वारा कक्षा पहली में नव प्रवेशित नन्हे-मुन्ने बच्चों को रोली-अक्षत का तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराकर एवं पुष्प वर्षा कर उनका शाला परिवार में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बच्चों के चेहरे पर पहले दिन की झिझक की जगह मुस्कान और उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा था।इस अवसर पर समस्त नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को राज्य शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं दो जोड़ी गणवेश का वितरण अधिकारियों के कर-कमलों से किया गया। अधिकारियों ने बच्चों से बातचीत कर उन्हें नियमित शाला आने, मन लगाकर पढ़ने एवं बड़ा आदमी बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इस दूरस्थ अंचल में भी पालकों की जबरदस्त सहभागिता देखने को मिली। बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं एवं पालकों ने पूरे कार्यक्रम का आनंद लिया। शाला प्रबंधन समिति एवं ग्रामवासियों के सहयोग से सभी उपस्थित बच्चों, पालकों एवं अतिथियों के लिए न्योता भोज का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बड़े चाव से भोजन ग्रहण किया। स्वादिष्ट एवं गरम भोजन की व्यवस्था ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

दुष्कर्म के आरोपी को विश्रामपुरी पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

कोंडागांव। प्रार्थिया नाबालिग पीड़िता ने 18 जून को थाना आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज करायी कि मार्च माह 2025 में गरांजीडिही का रहने वाला पिन्टु शोरी से साथ मोबाईल फोन के माध्यम से परिचय हुआ था, और 17 अप्रैल 2025 को अकेली विश्रामपुरी की मेला देखने आयी थी मेला में पिन्टु शोरी शाम करीबन 5 बजे मिला दोनों विश्रामपुरी मेला मे घुम रहे थे पिन्टु उर्फ भुपेन्द्र शोरी पीड़िता को बहला फुसलाकर बोला कि चल दुसरे तरफ कार्यक्रम चल रहा है वहां जायेंगी कहकर अपने बाइक में बिठाकर अपने गांव के गरांजीडिही स्कूल में ले गया पीड़िता को नाबालिक जानते हुये भी तुम को पसंद करता हूँ, अच्छी लगती हो तुम से शादी करूंगा कहकर पीड़िता मर्जी के बिना हाथ बाह को पकड़ा और पीड़िता को खींच कर स्कूल के दिवाल के अंदर लेकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया है और किसी को मत बताना अगर किसी को बतायेगी तो जान से मारने की धमकी दिया था डर के कारण किसी को नहीं बतायी पिन्टु शोरी जब भी उसका मर्जी होता था मुझे अलग अलग जगहों में फोन कर बुलाता कर बाइक से ले जाकर शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया है, प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 45/2026 धारा 64(1), 64(2), (ड), 87, 351(3) भा.न्या.सं., 06 पॉक्सो एक्ट कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। विवेचना के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक शंकर लाल ध्रुव के नेतृत्व में प्रकरण के आरोपी पिन्टु उर्फ भुपेन्द्र शोरी पिता सगराम शोरी उम्र 21 वर्ष जाति गोड़ निवासी ग्राम गरांजीडिही थाना विश्रामपुरी जिला कोण्डागांव (छ0ग0) के विरूद्ध अपराध घटित करने का पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर सम्पूर्ण वैधानिक कार्यवाही की जाती है, सम्पूर्ण विवेचना कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक शंकर लाल ध्रुव, पीएसआई. सुनयना मिंज, सउनि. अनिता मेश्राम, अभिराम मेश्राम, प्रधान आरक्षक 02 देवार्चन सिदार, आरक्षक 976 अजय प्रधान, 736 रमेश नेताम, 750 गोविन्द कश्यप, म.आर. 3033 बबीता शोरी, 3274 दीपिका नेताम का विशेष योगदान रहा।

यूनिसेफ और एमसीसीआर फाउंडेशन ने प्रदेश के 11 पत्रकारों को दी 'मीडिया फेलोशिप', भानुप्रतापपुर के यशवंत चक्रधारी भी सम्मानित

भानुप्रतापपुर। राजधानी रायपुर के होटल सयाजी में यूनिसेफ और एमसीसीआर फाउंडेशन द्वारा 'मीडिया 4 चिल्ड्रन पुरस्कार' के 5वें संस्करण का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह में महिला एवं बाल अधिकारों, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट व रचनात्मक रिपोर्टिंग करने वाले छत्तीसगढ़ के 11 ग्रामीण व क्षेत्रीय पत्रकारों को प्रतिष्ठित मीडिया फेलोशिप प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस गौरवशाली सूची में कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर से पत्रकार यशवंत चक्रधारी भी शामिल हैं, जिन्हें उनकी सराहनीय जमीनी पत्रकारिता के लिए इस फेलोशिप से नवाजा गया है।

इन खबरों के असर से मिला यशवंत चक्रधारी को सम्मान

पत्रकार यशवंत चक्रधारी को यह सम्मान क्षेत्र की गंभीर और बुनियादी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए दिया गया है। उनके द्वारा की गई प्रमुख रिपोर्ट्स का शासन-प्रशासन पर गहरा असर दिखा था। अंधकार से उजाले की ओरः ग्राम पंचायत घोटा के डोंगरी पारा में बिजली न होने से स्कूली बच्चों के अंधकार में डूबते भविष्य पर उन्होंने बाइनेम ग्राउंड रिपोर्ट प्रकाशित की थी। संघर्ष और प्रेरणा की कहानीः पति का साथ छूटा तो शोभा ने ऑटो रिक्शा का स्टेयरिंग पकड़ा और घर चला रही हैं जैसी एक महिला के संघर्षपूर्ण व प्रेरणादायक मानवीय पहलू को उजागर किया। जान जोखिम में डाल शिक्षा का सफरः ग्राम रानीडोंगरी के स्कूली बच्चे जान जोखिम में डाल रोज नदी पार कर पढ़ने आते हैं स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझते ग्रामीणों की आवाज को शासन-प्रशासन के सामने मजबूती से रखा था।

बाल अधिकारों और मीडिया की भूमिका पर मंथन

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की हेड व सीएफओ सीमा कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़े मुददों पर नागरिकों को जागरूक बनाने में मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है।

चाहे वह टीकाकरण से जुड़ा मुद्दा हो या बच्चों की प्रताड़ना, आए दिन ऐसे कई मामले सामने आते हैं जिसमें मीडिया की खबरों को त्वरित संज्ञान में लेकर कार्रवाई भी की जाती है। संयुक्त निदेशक (प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य) डॉ. निर्मला यादव और उप निदेशक डॉ. स्मृति देवांगन ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं और मीडिया से अपेक्षाओं पर अपने विचार साझा किए। यूनिसेफ के सीएपी विशेषज्ञ अनिल गुलाटी ने जागरूकता पैदा करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की, वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेंद्र सिंह ने यूनिसेफ के कार्यों और योगदानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

वर्ष 2026 के लिए चयनित हुए प्रदेश के ये 11 पत्रकार

इस वर्ष इस प्रतिष्ठित फेलोशिप के लिए प्रदेश भर से 11 पत्रकारों का चयन किया गया है, जिसमें यशवंत चक्रधारी कांकेर, अनुज कुमार कोंडागांव, सलीम शेख़ सुकमा, विकास पाण्डे जशपुर, रुचि पाण्डे रायपुर, कुश अग्रवाल बलौदाबाजार, विक्रम तिवारी जांजगीर-चांपा, हेमंत संचेती नारायणपुर, जयदेव सिंह महासमुंद, प्रदीप डड़सेना रायपुर और हेमंत गोस्वामी रायपुर शामिल हैं। एमसीसीआर के पत्रकार डी श्यामकुमार ने बताया कि यह फेलोशिप पिछले 5 वर्षों से उन पत्रकारों को दी जा रही है जो राज्य में बच्चों और महिलाओं के विषयों पर गंभीर और शोधपरक लेखन कर रहे हैं। यह ग्रामीण पत्रकारों को आर्थिक और नैतिक सहयोग प्रदान करती है। इस वर्ष समारोह की थीम 'बाल अधिकारों के लिए सशक्त मीडिया, सुरक्षित बचपन की दिशा' रही।

पुलिस छावनी के बीच आस्था का महासंगम : तुएगोंदी की 'संरक्षण जातरा' में उमड़ा जनसैलाब, देवस्थल की रक्षा का लिया संकल्प

पाटेश्वर धाम विवाद के बीच पूरे प्रदेश की नजर रही जामड़ीपाट पर, 900 से अधिक जवानों की निगरानी में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ ऐतिहासिक आयोजन

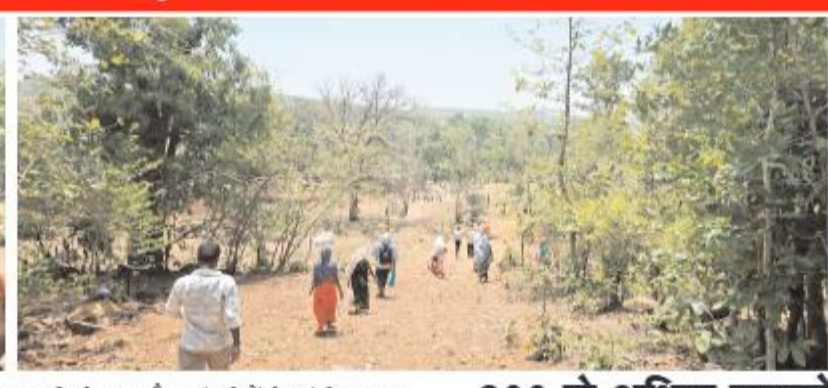

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के जामड़ीपाट (तुएगोंदी) में आयोजित तुएगोंदी जमहा डोकरा राऊड संरक्षण जातरा (देव जातरा) इस बार केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की आस्था, सांस्कृतिक अस्मिता और पारंपरिक देवस्थलों के संरक्षण का प्रतीक बनकर उभरी। पाटेश्वर धाम आश्रम से जुड़े विवाद और वन भूमि पर कथित अतिक्रमण के मुद्दे के बीच आयोजित इस जातरा पर पूरे प्रदेश की नजर टिकी रही। एक ओर हजारों श्रद्धालु अपने आराध्य देवों की पूजा-अर्चना के लिए जुटे, तो दूसरी ओर पूरा क्षेत्र अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस छावनी में तब्दील नजर आया। सुबह से ही बालोद, कांकेर, मोहला-मानपुर, राजनांदगांव सहित आसपास के जिलों से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के महिला-पुरुष, युवा और बुजुर्ग पारंपरिक वेशभूषा में जामड़ीपाट पहुंचे। जय सेवा... जय जोहार... के गूंजते नारों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों के बीच समाजजनों ने आंगा पेन और पेन पुरखाओं की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि, शांति और अपने मूल देवस्थल की रक्षा का सामूहिक संकल्प लिया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि जामड़ीपाट (तुएगोंदी) उनके पूर्वजों का प्राचीन देवस्थल है, जहां सदियों से पारंपरिक जातरा आयोजित होती रही है। लेकिन इस बार पाटेश्वर धाम विवाद के कारण यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक अधिकारों और पारंपरिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक भी बन गया।

मुख्यमंत्री निवास की बैठक के बाद टला टकराव

पिछले कुछ दिनों से पाटेश्वर धाम में कथित अवैध कब्जे को लेकर आदिवासी समाज और प्रशासन के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। समाज के कुछ प्रतिनिधियों ने 20 जून को पाटेश्वर धाम घेराव का ऐलान किया था। हालांकि तीन दिन पूर्व मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री, आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों की बैठक में शांतिपूर्ण समाधान पर सहमति बनी। इसके बाद प्रशासन ने विवादित क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की, जिससे संभावित टकराव टल गया और समाज ने पारंपरिक जातरा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का निर्णय लिया।

900 से अधिक जवानों के सुरक्षा घेरे में रहा आयोजन

आयोजन की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए। पाटेश्वर धाम, जामड़ीपाट, तुएगोंदी, बड़े जुगेरा, माटरी चौक सहित आसपास का पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। करीब 900 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। बालोद के अलावा कांकेर, मोहला-मानपुर और राजनांदगांव जिले की सीमाओं पर भी अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया तथा प्रमुख मार्गों पर सघन नाकेबंदी की गई। कलेक्टर दिव्या मिश्रा, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, डीएफओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर सहित अधिकारी सुबह से देर शाम तक मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए रहे।

डांग-डोरी यात्रा के दौरान मधुमक्खियों के हमले से मची अफरा-तफरी

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जब श्रद्धालु डांग-डोरी और अंगा देव के साथ जंगल मार्ग से जामड़ी पाट की ओर बढ़ रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और कई श्रद्धालु मधुमक्खियों के डंक का शिकार हुए। घटना के दौरान मुख्यमंत्री के निज सहायक कौशिक ने जैकेट ओढ़कर अपना बचाव किया, जबकि नगर पंचायत डौंडीलोहारा के अध्यक्ष लाल निवेंद्र सिंह टेकाम सहित कई लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। बाद में स्थिति सामान्य होने पर धार्मिक अनुष्ठान पुनः प्रारंभ हुआ और प्रभावित लोगों का प्राथमिक उपचार किया गया।

धार्मिक मान्यताओं को लेकर भी हुई चर्चा- मधुमक्खियों की घटना के बाद स्थानीय स्तर पर धार्मिक मान्यताओं को लेकर भी चर्चाएं होती रहीं। कुछ श्रद्धालुओं ने इसे दैवीय संकेत के रूप में देखा।

पाटेश्वर धाम की घटना अत्यंत दुःखद : महेन्द्र विरदी

थान खमरिया। राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय सलाहकार महेन्द्र विरदी ने पाटेश्वर धाम आश्रम में हुई घटना पर गहरा दुःख एवं चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी धार्मिक स्थल, आश्रम अथवा तपोभूमि के प्रति असम्मानजनक व्यवहार समाज की आस्था को आहत करता है। उन्होंने कहा कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। लोक में प्रचलित उक्ति संत सतावे तीनों जावे केवल कहावत नहीं, बल्कि इतिहास का संदेश है। रावण, कंस, और कौरव जैसे अनेक उदाहरण बताते हैं कि जिन्होंने संतों और धर्म के मार्ग को पीड़ा पहुंचाई, उन्हें इतिहास में सम्मान नहीं मिला। विरदी ने कहा कि आश्रम परिसर में मंदिर की मूर्तियों, एवं नालो की दीवार तथा अन्य संरचनाओं को क्षति पहुंचाने की खबरों ने श्रद्धालुओं एवं समाज के लोगों में गहरी पीड़ा और नाराजगी उत्पन्न की है। पाटेश्वर धाम केवल एक आश्रम नहीं, बल्कि राम बालक दास महाराज एवं उनके गुरुदेव की तप, त्याग, सेवा और साधना की पवित्र स्थली है। यहां वर्षों से आध्यात्मिक गतिविधियों के साथ-साथ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं जल-संरक्षण जैसे लोकहितकारी कार्य किए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आस्था के केंद्र केवल ईंट- पत्थर की संरचनाएं नहीं होते, वे समाज की सांस्कृतिक चेतन, विश्वास और आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक होते है। उनकी रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय में विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां और भ्रम फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं, इसलिए सत्य को सामने लाने के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आवश्यक है। महेन्द्र विरदी ने मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री से आग्रह किया कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर धार्मिक स्थलों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई की जाए।

12 साल इसलिए बेमिसाल क्योंकि भारत का आत्मसम्मान वैश्विक मंच पर हुआ स्थापित : हर्षिता पांडेय

भाजपा महिला मोर्चा के आयोजन में विभिन्न समाजों की प्रमुख महिलाओं का सम्मान, रंगोली व हेल्दी फूड प्रतियोगिता में दिखी मातृशक्ति की प्रतिभा

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा महिला मोर्चा बेमेतरा द्वारा शुभकामना पैलेस एंड रिसॉर्ट में 12 साल बेमिसाल विषय पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी हर्षिता पांडेय रहीं, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हर्षिता पांडेय ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष इसलिए बेमिसाल है क्योंकि इन वर्षों में भारत का आत्मसम्मान वैश्विक स्तर पर नई पहचान के साथ स्थापित हुआ है,भारत आज विश्व की प्रमुख शक्तियों में शामिल होकर आत्मविश्वास के साथ अपने हितों और संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर रहा है,उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना और सुशासन के क्षेत्र में देश ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। कार्यक्रम की विशेषता विभिन्न समाजों की महिलाओं की सहभागिता रही, माहेश्वरी समाज की रेणु राठी, साहू समाज की रीना साहू, सिंधी समाज की रेखा खिलियानी तथा ब्राह्मण समाज की ममता तिवारी सहित विभिन्न समाजों की महिला प्रतिनिधियों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। मातृशक्ति की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई,प्रतियोगिता में श्वेता वर्मा प्रथम, रानू साहू द्वितीय तथा शालिनी ममुत्तर तृतीय स्थान पर रहीं, वहीं बिना गैस चूल्हे के तैयार हेल्दी फूड प्रतियोगिता में आयुषी राजपाल ने प्रथम, अन्नू वर्मा ने द्वितीय तथा शनिया मन्त्रोत्तर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया,विजेताओं को हर्षिता पांडे द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी नीतू कोठारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रेरणा शौर्यजीत सिंह, लक्ष्मीलता वर्मा, सबीना खान, जिला पंचायत सदस्य मधु रॉय, भाजपा उपाध्यक्ष अमिता सिन्हा, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष पिंकी नेमा, मंत्री मनीषा शर्मा, महामंत्री मधु राजपूत, नवगढ़ जनपद उपाध्यक्ष माया बारले, कार्यालय मंत्री कमला साहू, सह कार्यालय मंत्री शीलू साहू सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं स्थानीय मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन भाजपा महिला मोर्चा बेमेतरा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी के नेतृत्व में किया गया,उपस्थित वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों तथा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को ऐतिहासिक बताते हुए उनके 12 वर्षों के कार्यकाल को भारत के नवयुग का आधार बताया, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि जिले में महिला मोर्चा अपनी मजबूत स्थिति रेखांकित कर रही है। सभी समाज के प्रमुख महिलाओं तक मोर्चा पहुँच रही है और महिला मोर्चा परिवार बढ़ रहा है।

शर्मा ने किया विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुखों से भेंट मुलाकात

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीब कल्याण एवं विकास के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रायपुर शहर जिला प्रभारी एवं भाजपा बेमेतरा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने विभिन्न प्रबुद्धजनों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्योगपतियों, व्यवसायियों एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय बुद्धिजीवी वर्ग के प्रतिनिधियों से आत्मीय मुलाकात की। उनके साथ नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन मोंटी साहू कोषाध्यक्ष प्रदेश किसान मोर्चा गोपी देवांगन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पार्षद विकास तंबोली कार्यालय मंत्री धर्मेन्द्र साहू जय दिवाकर अमित माहेश्वरी थे। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रारंभ हुआ यह जनसेवा का अभियान आज देश के इतिहास में परिवर्तनकारी कालखंड के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक एवं वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। आज भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है तथा विश्व समुदाय भारत को एक विश्वसनीय और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में देख रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित की हैं।

एक कदम स्वच्छता की ओर : स्वच्छ एवं सुंदर नगर बनाने का संकल्प

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 साल बेमिसाल पूर्ण होने के अवसर पर नगर में एक कदम स्वच्छता की ओर अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं स्वच्छता प्रभारी निशा चौबे के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। सभी के सहयोग से ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर नगर का निर्माण संभव है। उन्होंने नागरिकों से अपने घर, मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। वहीं स्वच्छता प्रभारी निशा चौबे ने कहा कि नगर को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के लिए नगर पालिका लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने लोगों से सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग रखने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने तथा स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छता के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका कर्मचारियों एवं नागरिकों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर सभापति नीतू कोठारी मंडल अध्यक्ष युगल देवागन धर्मेन्द्र साहू युवा मोर्चा अध्यक्ष हेतुल्य सिंह गजाधर साहू सूरज साहू वैभव तिवारी सावित्री रजक उपस्थित रहे।

ढाबा एवं घर अंदर घुस कर मारपीट करते कर तोड़फोड़ करने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार

अब तक कुल 06 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई, शेष आरोपियों की पता तलाश जारी

बेमेतरा। ढाबा एवं घर अंदर घुस कर अश्लील गाली, मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने एवं अन्य सामाग्री को तोड़फोड़ कर नुक्सान पहुंचाने के मामले में 02 आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया इस तरह अब तक कुल 06 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई, शेष आरोपियों की पता तलाश जारी। प्रार्थी कार्तिक राजपूत उर्फ भावेश उम्र 28 वर्ष, निवासी भावेश ढाबा बहेरा थाना व जिला बेमेतरा ने दिनांक 31.05.2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि आरोपीगणों प्रमोद बंजारे ग्राम लोलेसरा एवं अन्य लोगो ने वाहन सीजी 04-क्यूबाई-3085 एवं मोटर क्रमांक सीजी 25-एफ 2276, स्कूटी क्रमांक सीजी 25-क्यू-9538 में सभी लोग ढाबा में आकर सभी एक राय होकर जबरदस्ती ढाबा एवं घर अंदर प्रवेश कर प्रार्थी को अश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का डंडा, राड से निरज सिंह राजपूत, कार्तिक सिंह राजपूत एवं अन्य लोगो से मारपीट कर चोट पहुंचाया एवं ढाबा में रखें फीज कोल्ड्रिंग शीशी, प्लास्टिक कुर्सी, सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर को डंडा, राड से मारकर तोडफोड कर नुकसान पहुंचाये है। सभी आरोपीगण मारपीट कर मौके पर ही उक्त वाहनों को छोड़कर भाग गये है। कि रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में अपराध सदर धारा 333, 296, 351(3), 115(2), 324(4), 190, 191(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया।

लेफ्टिनेंट राहुल वर्मा और आईआईटीयन रुपेश वर्मा देंगे मार्गदर्शन, 21 और 28 जून रविवार को समाधान महाविद्यालय में होगा निःशुल्क आयोजन

आईआईटी-जेईई एवं नीट अभ्यर्थियों के लिए नि:शुल्क कैरियर मार्गदर्शन सेमीनार का आयोजन

बेमेतरा। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सही दिशा एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षा एकेडमी, बेमेतरा द्वारा 21 जून एवं 28 जून को समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा में निःशुल्क कैरियर मार्गदर्शन एवं प्रेरक सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। यह सेमीनार कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं के विद्यार्थियों, ड्रॉपर्स एवं अभिभावकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहेगा। आयोजकों के अनुसार सेमीनार में विद्यार्थियों को आईआईटी-जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक रणनीति, अध्ययन पद्धति, समय प्रबंधन, करियर विकल्प तथा सफलता के सूत्रों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। सेमीनार में आईआईटी गुवाहाटी के पूर्व छात्र एवं आईसीआईसीआई बैंक, मुंबई के पूर्व चीफ मैनेजर रुपेश वर्मा तथा एनआईटीयन एवं भारतीय सेना अधिकारी लेफ्टिनेंट राहुल वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। वर्ष 2011 की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में 99.9 परसेंटाइल प्राप्त करने वाले रुपेश वर्मा पिछले 11 वर्षों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। कोविड-19 काल में उन्होंने हजारों विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की तथा अपने शैक्षणिक यूट्यूब चैनल पर 500 से अधिक शैक्षणिक वीडियो तैयार किए हैं। उनके चैनल से 68 हजार से अधिक विद्यार्थी जुड़े हुए हैं। महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित आईआईटी कोचिंग संस्थानों में लगभग पाँच वर्षों तक अध्यापन करते हुए उन्होंने अनेक विद्यार्थियों को आईआईटी में चयनित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं लेफ्टिनेंट राहुल वर्मा ने आईआईटी-जेईई मेन्स में 99.10 परसेंटाइल प्राप्त किया है। वे पिछले 11 वर्षों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं तथा ओएनजीसी एवं भारतीय सेना में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए प्रत्येक माह लगभग 15 दिन निःशुल्क शिक्षण कार्य के लिए समर्पित करते हैं। रसायन विज्ञान विषय के सरल एवं प्रभावशाली अध्यापन के कारण वे विद्यार्थियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं। सेमीनार के संयोजक डॉ. अवधेश पटेल शिक्षा जगत के एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, शोधकर्ता एवं माइंड एंड मेमोरी ट्रेनर हैं।

गुणवत्तापूर्ण प्रतियोगी परीक्षा तैयारी का नया विकल्प

आयोजकों का मानना है कि बड़े शहरों में आईआईटी-जेईई एवं नीट की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को अत्यधिक फीस, रहने के भारी खर्च, परिवार से दूरी, मानसिक दबाव तथा व्यक्तिगत मार्गदर्शन की कमी जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत बेमेतरा में कम खर्च, शांत वातावरण, परिवार का सहयोग, कम डिस्ट्रैक्शन तथा व्यक्तिगत मार्गदर्शन जैसी सुविधाएं विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं। शिक्षा एकेडमी में अनुभवी एवं समर्पित फैकल्टी, नियमित टेस्ट एवं परफॉर्मेंस एनालिसिस, एनसीईआरटी आधारित मजबूत शैक्षणिक आधार, डाउट क्लियरिंग सत्र, व्यक्तिगत मेंटरशिप तथा परिणामोन्मुखी शिक्षण प्रणाली उपलब्ध कराई जाएगी। आयोजकों का विश्वास है कि अब विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आईआईटी-जेईई एवं नीट कोचिंग के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता नहीं होगी। सेमीनार के लिए दो बैच निर्धारित किए गए हैं। प्रथम बैच सुबह 10 बजे से 1 बजे तक तथा द्वितीय बैच दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगा। विद्यार्थी अपनी सुविधा अनुसार किसी भी एक बैच में भाग ले सकते हैं। सीटें सीमित होने के कारण पूर्व पंजीयन अनिवार्य रखा गया है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नया बस स्टैंड, बेमेतरा से समाधान महाविद्यालय तक निःशुल्क बस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आयोजकों ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

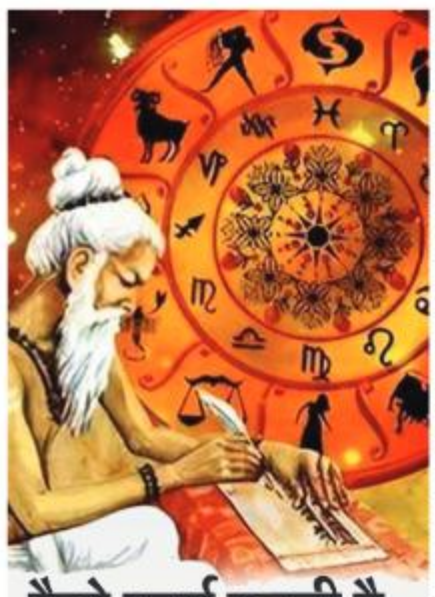

कैसे कार्य करती है ज्योतिषी की भविष्यवाणी और कब गलत हो जाती है भविष्यवाणी?

ज्योतिषीय सलाह को किसी भी घटना के लिए केवल एक भविष्यवाणी न समझकर ज्ञान और अनुभव पर आधारित एक राय या परामर्श समझना चाहिए, क्योंकि अंतिम निर्णय लेने का अधिकार और उत्तरदायित्व व्यक्ति का स्वयं का है। व्यक्ति जो भी निर्णय लेता है, उसी निर्णय के आधार पर उसका भाग्य बनता अथवा बिगड़ता है। ज्योतिषीय भविष्यवाणी और परामर्श में भेद जानना जरूरी है, ज्योतिषीय भविष्यवाणी कहती है, यह होगा, ज्योतिषीय परामर्श कहता है, ऐसा हो सकता है, यदि आप इस प्रकार कार्य-व्यवहार करें। इस सूक्ष्म अंतर से ही पता चलता है कि ज्योतिष नियति की मुहर नहीं है, संभावनाओं की खिड़की है। एक अच्छा ज्योतिषीय परामर्श व्यक्ति को यह सोचने पर प्रेरित करता है कि 'अगर मैं सचमुच अपने कर्म और निर्णयों की जिम्मेदारी लूं, तो मैं अपने जीवन की दिशा बदल सकता हूं?' जब व्यक्ति एक सचेत निर्णयकर्ता बनता है, तो अपने कर्मों और चुनावों से जीवन की दिशा तय कर सकता है। जब भी कोई ज्योतिषी आपकी तरक्की की भविष्यवाणी करता है, तो उसकी सफलता में व्यक्ति के कर्म, योग्यता और योगदान की जरूरत रहती है। अगर व्यक्ति कर्म ही न करें, तो शुभ भविष्यवाणी पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है, लेकिन अशुभ घटनाएं जीवन में अपने आप घटित हो जाती हैं। जन्मकुंडली है व्यक्ति के मन का नक्शा और समय का संकेत- बहुत से लोग सोचते हैं कि ज्योतिषी किसी जादुई दूरदर्शी की तरह बैठे होते हैं जो भविष्य देख लेते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ज्योतिषी आपकी जन्मकुंडली के संकेतों को पढ़ते हैं, जो संभावनाएं, प्रवृत्तियां और समय की प्रकृति को दर्शाते हैं। जन्मकुंडली व्यक्ति के ग्रहों का नक्शा और समय का संकेत है जो दिखाता है कि आपके जीवन में कौन-कौन से द्वार कब-कब खुल सकते हैं और आपको किन अनुभवों से गुजरने की संभावना है।

कौन-सा दरवाजा खोलना है, यह चुनाव व्यक्ति का स्वयं का होता है। यदि आप केवल यह जानना चाहते हैं कि 'क्या होने वाला है?', तो आप केवल परिस्थितियों पर निर्भर हैं। लेकिन यदि आप यह जानना चाहते हैं कि 'मैं क्या कर सकता हूं?', तो आप एक सचेत मनुष्य हैं और वहीं से ज्योतिष सार्थक हो जाता है। ज्योतिषी जातक को संकेत दे सकता है, संभावनाएं दिखा सकता है, शुभ और अशुभ समय की प्रवृत्तियों से अवगत करा सकता है, लेकिन व्यक्ति का निर्णय ही उसका भाग्य तय करता है। ज्योतिष विद्या सफलता के माप दण्ड के लिए व्यक्ति को स्वयं को बदलने का अवसर देता है क्योंकि ग्रह संकेत देते हैं, निर्णय व्यक्ति का रहता है।

महेश नवमी से जुड़ी कथा पूजा विधि और धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में भगवान शिव कल्याण के देवता माने जाते हैं, जिन्हें उनके भक्त भोले भंडारी, औघड़दानी, नीलकंठ, महादेव, महेश और महेश्वर आदि नाम से पूजते हैं. शिव पूजा से जुड़े तमाम पर्व और तिथियों में से एक ज्येष्ठ मास के शुक्लपक्ष की नवमी तिथि का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है क्योंकि इसका संबंध उस माहेश्वरी समाज से जुड़ा हुआ है, जिसकी वंशोत्पत्ति भगवान महेश और माता पार्वती के आशीर्वाद से हुई थी. आइए विस्तार से जानते हैं कि इस साल महेश नवमी का पर्व कब मनाया जाएगा और इस दिन किस विधि से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करनी चाहिए.

महेश नवमी का शुभ मुहूर्त

महेश नवमी का पर्व जिस ज्येष्ठ मास के शुक्लपक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है, पंचांग के अनुसार वह पावन तिथि इस साल 22 जून 2026, सोमवार को सायंकाल 03:39 बजे प्रारंभ होकर अगले दिन 23 जून 2026, मंगलवार की शाम को 04:39 बजे समाप्त होगी. ऐसे में उदया तिथि के आधार पर महेश नवमी का पावन पर्व 23 जून 2026 को मनाया जाएगा.

महेश नवमी की पूजा विधि

महेश नवमी की पूजा करने के लिए प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व उठें और स्नान ध्यान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद किसी शिवालय में जाकर या फिर अपने घर में शिव परिवार की विधि-विधान से साधना-आराधना करें. महेश नवमी के दिन शिवलिंग पर गंगाजल या शुद्ध जल अर्पित करने के बाद चंदन, पुष्प, फल, फूल, भस्म, रुद्राक्ष, धतूरा और बिल्वपत्र चढ़ाएं. महेश नवमी पर्व वाले पीतल का त्रिशूल चढ़ाने और डमरू बजाकर शिव साधना करने का विशेष पुण्यफल माना गया है. महेश नवमी के दिन शिव पूजन करने के बाद इससे जुड़ी कथा का पाठ अवश्य करें.

महेश नवमी की कथा

हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान महेश्वर से जुड़े माहेश्वरी समाज के पूर्वज क्षत्रिय वंश के थे. मान्यता है कि प्राचीन काल में खड्गलसेन नाम के एक प्रतापी राजा थे. अत्यंत ही शूरवीर और धर्मनिष्ठ खड्गलसेन के राज्य में प्रजा सुखी और संपन्न थी, लेकिन राजा को कोई संतान न होने का हमेशा दुख सताता था. कुछ समय बाद राजा ने पुत्र की कामना से कामेष्टि यज्ञ करवाया, जिसके बाद उसके पुण्यफल और ऋषियों के आशीर्वाद से उसे पुत्र की प्राप्ति हुई. जिसका नाम उन्होंने सुजान कंवर रखा.

मान्यता है कि जब सुजान नौजवान हुआ तो एक दिन अपने मित्रों के साथ वन में शिकार करने गया. जहां पर उसके द्वारा ऋषियों के यज्ञ में विघ्न उत्पन्न हो गया. इससे नाराज होकर ऋषियों सुजान समेत उसके सभी मित्रों के वंश का पतन होने का श्राप दे दिया. जिसके बाद वे पत्थर में परिर्तित हो गए. इस घटना के बाद राजकुमार सुजान की पत्नी ने ऋषियों से क्षमा याचना की. तब उन्होंने श्राप से मुक्ति पाने के लिए रानी को भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने को कहा. मान्यता है कि रानी के द्वारा की गई शिव साधना से शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने राजकुमार समेत 72 सैनिकों को पुनर्जीवित करते हुए आशीर्वाद दिया कि आज के बाद तुम्हारे वंश पर हमारा आशीर्वाद रहेगा और आप सभी माहेश्वरी कहलाओगे. तब से लेकर आज तक माहेश्वरी समाज भगवान महेश या फिर महेश्वर को अपना संस्थापक मानते हुए महेश नवमी के दिन की उनकी विधि विधान से पूजा करते हुए अपने कल्याण की कामना करते हैं.

माहेश्वरी समाज से जुड़ी पौराणिक कथा

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार माहेश्वरी समाज के पूर्वज क्षत्रिय वंश के थे। शिकार के दौरान वे ऋषियों के शाप से ग्रसित हुए। तब इस दिन भगवान शिव ने उन्हें शाप से मुक्त कर उनके पूर्वजों की रक्षा की व उन्हें हिंसा छोड़कर अहिंसा का मार्ग बतलाया था। महादेव ने अपनी कृपा से इस समाज को अपना नाम भी दिया इसलिए यह समुदाय 'माहेश्वरी' नाम से प्रसिद्ध हुआ। भगवान शिव की आज्ञा से ही माहेश्वरी समाज के पूर्वजों ने क्षत्रिय कर्म छोड़कर वैश्य समाज को अपनाया, तब से ही माहेश्वरी समाज व्यापारिक समुदाय के रूप में पहचाना जाता है।

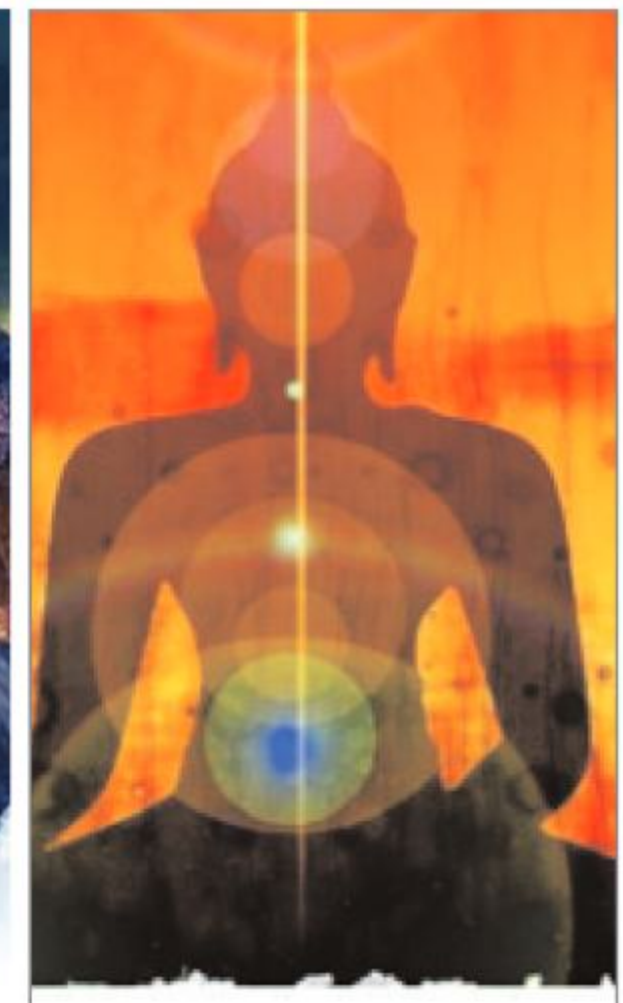

शुभ काम को करने के लिए देर न करें, 99वें के चक्र से निकले बाहर

संसार में रहकर मुक्ति का प्रयास करना ही परम लक्ष्य होना चाहिए। अक्सर पूजा, पाठ, दान आदि शुभ कार्य करने से पहले लोग सोचते हैं कि वे अपने बाकी कार्य पूर्ण कर लें तब ईश्वर भक्ति में अपने परलोक को संवारेंगे। निन्यानवे के चक्र में मनुष्य ताउम्र भ्रमित रहता है, इस संदर्भ में एक प्रसिद्ध कथानक आता है।

विद्वान, संत, महात्मा एक दृष्टांत दिया करते हैं कि एक व्यक्ति था, जब कभी भी कहीं तीर्थ यात्रा, सत्संग, सेवा संकल्प अथवा दैवीय कार्य करने की बात होती, तब कह देता था कि उसकी गायों के सौ बछड़े हैं, जब एक साथ सभी बैठ जाएंगे तब वह ऐसे किसी भी शुभ कार्य के लिए अग्रसर होगा। कई बार 60 बछड़े एक साथ बैठ जाते हैं तो कभी 70 बछड़े बैठ जाते हैं तो कभी 90 बैठ जाते हैं। एक दिन की बात है कि 99 बछड़े एक साथ बैठ गये तब वह व्यक्ति एक बचे हुए बछड़े के बैठने की राह देखने लगा। इतने में ही बैठे हुए बछड़ों में से कुछ बछड़े खड़े हो गये और वह व्यक्ति शुभ कार्य के लिए अग्रसर नहीं हो सका। यह तो एक कथानक है।

हमारी अनेक कामनाएं

हम उपरोक्त आधार पर अपना आत्म निरीक्षण करें तो पाएंगे कि यह बछड़े हमारी अनेक कामनाएं हैं और गायें हमारी इंद्रियां हैं। यह संपूर्ण दृश्य संसार इंद्रियों के पांच विषयों का विस्तार है। विषयों को शब्द, रूप, रस, स्पर्श और गंध के नाम से जाना जाता है, कान, नाक, त्वचा, नेत्र, जिह्वा यह पांच ज्ञानेंद्रियां हैं। हम कितनी ही प्रगति कर लें, कितनी ही सुविधाओं के, मनोरंजन के साधन जुटा लें, ये सब इनके क्षेत्र के अंतर्गत आ जाएंगे। पांच कर्मेंद्रियां जो इनकी पूर्ति में सहायक हैं वे हैं मुख, हाथ, पैर, गुदा और उपस्थ और इन सबका नेतृत्व करता है मन, जो कि सुख की तलाश में भटकता रहता है और अनेक प्रयासों के बावजूद भी अर्थात अपने और अपनों के लिए नानाविध भोग और संग्रह करते हुए भी सुखी नहीं हो पाता है।

जीवन परमात्मा की करुणा

यह जीव अनंत काल से नानाविध योनियों में भटक रहा है। मनुष्य शरीर उसे प्रभु की कृपा से मिलता है और उसको अगर कामना और भोगों के निन्यानवे के चक्र में अपने और अपनों के सीमित स्वार्थों में बिता देता है तो वह हाय-हाय करकर इस संसार से विदा हो जाता है और मानव जीवन को सार्थक नही कर पाता है। मानव जीवन परमात्मा की करुणा है। इस जीवन में मनुष्य अपनी उन्नति अर्थात अपना आत्म-कल्याण स्वतः कर सकता है, जो कि इसका एकमात्र उद्देश्य है।

महेश नवमी पर कैसे करें पूजन

इस वर्ष महेश नवमी पर्व 23 जून को मनाया जाएगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार हर साल ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को महेश नवमी मनाई जाती है। महेश नवमी के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करने से लेकर अपार सुख, धन संपदा, अखंड सौभाग्य और प्रसन्नता में वृद्धि होती है।

पूजन विधि और मंत्र

- महेश नवमी के दिन शिवलिंग तथा भगवान शिव परिवार का पूजन-अभिषेक किया जाता है।
- भगवान शिव को पुष्प, गंगा जल और बेल पत्र आदि चढ़ाकर पूजन किया जाता है।
- डमरू बजाकर भगवान शिव की आराधना की जाती है।
- मां पार्वती का पूजन एवं स्मरण करके विशेष आराधना की जाती है।

मंत्र

- इं क्षं मं औं अं।
- नमो नीलकण्ठाय।
- प्रीं हरीं ठः।
- ऊरध्व भू फट्।
- ऊँ नमः शिवाय।
- ऊँ पार्वतीपतये नमः।
- ऊँ हरी हरौ नमः शिवाय।
- ऊँ नमो भगवते दक्षिणामूरतये महयं मेधा प्रयच्छ स्वाहा।

महेश नवमी के दिन उपरोक्त किसी भी मंत्र का जाप पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके 108 बार करना चाहिए। जप के पूर्व शिव जी को बिल्वपत्र अर्पित करना चाहिए। उनके ऊपर जलधारा अर्पित करना चाहिए। इन मंत्रों का जाप कर आप शिव को प्रसन्न कर सकते हैं।

कथा : एक खडगलसेन राजा थे। प्रजा राजा से प्रसन्न थी। राजा व प्रजा धर्म के कार्यों में संलग्न थे, पर राजा को कोई संतान नहीं होने के कारण राजा दुःखी रहते थे। राजा ने पुत्र प्राप्ति की इच्छा से कामेष्टि यज्ञ करवाया। ऋषियों-मुनियों ने राजा को वीर व पराक्रमी पुत्र होने का आशीर्वाद दिया, लेकिन साथ में यह भी कहा 20 वर्ष तक उसे उत्तर दिशा में जाने से रोकना। नौवें माह प्रभु कृपा से पुत्र उत्पन्न हुआ। राजा ने धूमधाम से नामकरण संस्कार करवाया और उस पुत्र का नाम सुजान कंवर रखा। वह वीर, तेजस्वी व समस्त विद्याओं में शीघ्र ही निपुण हो गया। एक दिन एक जैन मुनि उस गांव में आए। उनके धर्मोपदेश से कुंवर सुजान बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने जैन धर्म की दीक्षा ग्रहण कर ली और प्रवास के माध्यम से जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करने लगे। धीरे-धीरे लोगों की जैन धर्म में आस्था बढ़ने लगी। स्थान-स्थान पर जैन मंदिरों का निर्माण होने लगा।

एक दिन राजकुमार शिकार खेलने वन में गए और अचानक ही राजकुमार उत्तर दिशा की ओर जाने लगे। सैनिकों के मना करने पर भी वे नहीं माने। उत्तर दिशा में सूर्य कुंड के पास ऋषि यज्ञ कर रहे थे। वेद ध्वनि से वातावरण गुंजित हो रहा था। यह देख राजकुमार क्रोधित हुए और बोले- 'मुझे अंधेरे में रखकर उत्तर दिशा में नहीं आने दिया' और उन्होंने सभी सैनिकों को भेजकर यज्ञ में विघ्न उत्पन्न किया। इस कारण ऋषियों ने क्रोधित होकर उनको श्राप दिया और वे सब पत्थरवत हो गए।

राजा ने यह सुनते ही प्राण त्याग दिए। उनकी रानियां सती हो गईं। राजकुमार सुजान की पत्नी चन्द्रावती सभी सैनिकों की पत्नियों को लेकर ऋषियों के पास गईं और क्षमा-याचना करने लगीं। ऋषियों ने कहा कि हमारा श्राप विफल नहीं हो सकता, पर भगवान भोलेनाथ व मां पार्वती की आराधना करो। सभी ने सच्चे मन से भगवान की प्रार्थना की और भगवान महेश व मां पार्वती ने अखंड सौभाग्यवती व पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया। चन्द्रावती ने सारा वृत्तांत बताया और सबने मिलकर 72 सैनिकों को जीवित करने की प्रार्थना की। महेश भगवान पत्नियों की पूजा से प्रसन्न हुए और सबको जीवनदान दिया। भगवान शंकर की आज्ञा से ही इस समाज के पूर्वजों ने क्षत्रिय कर्म छोड़कर वैश्य धर्म को अपनाया। इसलिए आज भी 'माहेश्वरी समाज' के नाम से इसे जाना जाता है। समस्त माहेश्वरी समाज इस दिन श्रद्धा व भक्ति से भगवान शिव व मां पार्वती की पूजा-अर्चना करते हैं।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर दुर्ग जिला कोर्ट में लगा विशेष शिविर

मास्टर ट्रेनर ने सिखाए योग के गुर, जजों, वकीलों और कोर्ट स्टाफ ने किया प्राणायाम

दुर्ग। दुर्ग जिला न्यायालय में योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति व मुख्य संरक्षक माननीय रमेश सिन्हा के गरिमामयी मार्गदर्शन में, आज 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), दुर्ग द्वारा एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विधिक सेवाओं के प्रति नागरिकों को सजग करना था।सुबह 7 बजे कोर्ट परिसर में गूंजा '?' का उच्चारणयोग सत्र की शुरुआत अलसुबह ठीक 07:00 बजे हुई। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। योग की महत्ता को रेखांकित करते हुए उन्होंने उपस्थित सभी जनों को नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संदेश दिया।आर्ट ऑफलिविंग के मास्टर ट्रेनर ने कराया अभ्यास न्यायालयीन व्यस्तताओं और मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए आयोजित इस शिविर में 'आर्ट ऑफ लिविंग' भिलाई के मास्टर ट्रेनर को योग प्रशिक्षक के रूप में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। योग गुरु ने उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न कठिन व सरल योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान (Meditation) की आधुनिक व पारंपरिक तकनीकों का गहन अभ्यास कराया। इसके साथ ही उन्होंने दैनिक जीवन में योग के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।न्यायाधीशों से लेकर पैरालीगल वालंटियर्स तक सब रहे शामिलइस विशेष योग शिविर में कानून व्यवस्था और न्यायदान से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जिला न्यायालय के समस्त सम्मानीय न्यायाधीशगण, भारी संख्या में अधिवक्तागण (वकील), विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, लीगल एड डिफेंस कार्उंसिल सिस्टम (LADCS) के कार्उंसिल, न्यायालयीन व प्राधिकरण के कर्मचारीगण तथा पैरालीगल वालंटियर्स (PLVs) पूरे उत्साह के साथ चटाई बिछाकर योगासन करते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान योग के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभों पर प्रकाश डाला गया।

मास्टर ट्रेनर के द्वारा उपस्थितजनों को योग के विभिन्न योगासन सिखाते हुए योग से होने वाले लाभों की जानकारी देकर तकनीक के साथ योगासन का अभ्यास करना सिखाया गया एवं बताया गया कि उक्त सिखाये गये अभ्यास का दिन-प्रतिदिन अभ्यास नियमित रूप से करने से स्वस्थ व निरोगी शरीर प्राप्त कर सकते हैं, योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से भी उपयोगी है, इससे शरीर लचीला बना रहता है तथा इस तनाव भरे जीवन में तनाव रहित जीवन जीने की कला योग से ही संभव है।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि योग न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह हमें आत्म-अनुशासन, मानसिक संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में भी सहायता करता है। अंत में कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने कहा कि योग को दैनिक जीवन में अपनाकर हम तनाव मुक्त जीवन जी सकते हैं।

बीरा के अंगना' में गूंजा योग का मंत्र

12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर सर्व समाज कल्याण समिति और पतंजलि ने कराया सामूहिक योगाभ्यास

भिलाई। 12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को कोहका स्थित 'बीरा जी के अंगना' परिसर में स्वास्थ्य और सजगता का अनूठा संगम देखने को मिला। यहाँ सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई एवं पतंजलि योग साधक समिति (कान्हा पार्क, कोहका) के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस शिविर में भिलाई शहर के बड़ी संख्या में योग साधकों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सामूहिक रूप से योगासन किए।मानसिक शांति और तनावमुक्त जीवन का आधार है योगइस विशेष अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं पतंजलि के अनुभवी योग प्रशिक्षकों ने जीवन में योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि नियमित योगाभ्यास ही आज के समय में स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का एकमात्र आधार है। उन्होंने रेखांकित किया कि योग केवल शारीरिक कसरत या स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मबल, सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने और आधुनिक जीवन के तनाव को दूर भगाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।साधकों ने लिया निरोगी जीवन और स्वस्थ जीवनशैली का संकल्प शिविर में शामिल सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने योग गुरुओं के मार्गदर्शन में विभिन्न महत्वपूर्ण योगासनों, सूर्य नमस्कार और प्राणायाम का अभ्यास किया। इसके साथ ही उपस्थित जनसमुदाय ने अपने दैनिक जीवन में योग को अनिवार्य रूप से अपनाने तथा अन्य लोगों को भी स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पूरे समाज को 'स्वस्थ भारत' के निर्माण में अपनी जनभागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के समापन सत्र में सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंग छोटू ने उपस्थित सभी योग साधकों, प्रशिक्षकों एवं आयोजकों को अंतराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस वृहद जन-जागरूकता अभियान के सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी और समाज के प्रति आभार व्यक्त किया।

भिलाई में स्कूल बसों की जांच

सुप्रीम कोर्ट के नियमों की अनदेखी पर 5 बसों पर चालानी कार्रवाई

13 ड्राइवरों को बीपी-शुगर की शिकायत

भिलाई। स्कूली छात्र-छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए दुर्ग यातायात पुलिस और परिवहन विभाग (आरटीओ) ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप रविवार को पुलिस ग्राउंड सेक्टर-06 भिलाई में एक विशेष स्कूल बस जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान जिले के 4 बड़े शैक्षणिक संस्थानों द्वारा संचालित 51 स्कूल बसों का बारीकी से परीक्षण किया गया।परमिट, फिटनेस से लेकर हेडलाइट-टायर तक की हुई जांच।

जांच शिविर में परिवहन विभाग और पुलिस की टीम ने बसों के कानूनी दस्तावेजों का गहन निरीक्षण किया। इसमें वाहन पंजीयन परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र (PUC), रोड टैक्स और वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गई। इसके साथ ही बसों की मैकेनिकल फिटनेस को परखने के लिए हेडलाइट, ब्रेक लाइट, इंडिकेटर, टायर की स्थिति, स्टीयरिंग, क्लच, एक्सीलेटर, हॉर्न, वाइपर, रिफ्लेक्टर और सीटों की व्यवस्था को भी चेक किया गया।सीसीटीवी, जीपीएस और स्पीड गवर्नर पर रहा विशेष फोकससुप्रीम कोर्ट के कड़े मानकों के अनुसार छात्र सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया गया। अधिकारियों ने बसों के भीतर लगे जीपीएस , सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गवर्नर (गति नियंत्रक), आपातकालीन निकास फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक उपचार पेटी), अग्निशमन यंत्र और बस के बाहर लिखे स्कूल के नाम व संपर्क नंबरों का भौतिक सत्यापन किया।कमियां मिलने पर हुई कार्रवाई, बिना सुधार नहीं चलेंगी बसेंसघन निरीक्षण के दौरान 5 स्कूल बसों में निर्धारित सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित गंभीर खामियां पाई गईं। इस पर टीम ने तत्काल मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की। अधिकारियों ने सख्त लहजे में संबंधित स्कूल संचालकों को निर्देशित किया है कि जब तक इन कमियों का पूरी तरह निराकरण नहीं कर लिया जाता, तब तक बसों का संचालन सड़कों पर नहीं किया जाएगा।ड्राइवर्स का हुआ हेल्थ चेकअप, 13 चालक अस्वस्थ मिलेबच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शिविर के दौरान केवल गाड़ियों की ही नहीं, बल्कि उन्हें चलाने वाले ड्राइवरों और परिचालकों (कंडक्टरों) का भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। स्वास्थ्य जांच के दौरान एक चिंताजनक बात सामने आई कि 13 चालकों में हाई ब्लड प्रेशर (रक्तचाप) और शुगर संबंधी स्वास्थ्य शिकायतें मिलीं। मौके पर ही डॉक्टरों द्वारा उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श और दवाइयां प्रदान की गईं, ताकि गाड़ी चलाते समय किसी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

लंका मैदान में आरएसएस का योग शिविर

सैकड़ों स्वयंसेवकों ने किया प्राणायाम

गाजीपुर। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के पर रविवार की सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) गाजीपुर नगर क्षेत्र द्वारा स्थानीय लंका मैदान में एक विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में संघ के सैकड़ों स्वयंसेवकों, प्रबुद्ध युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया। अलसुबह से ही पूरा मैदान योगमय नजर आया।सूर्य नमस्कार से लेकर कपालभाति तक का हुआ अभ्यासकार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ संघ की पारंपरिक प्रार्थना और योग सत्र के साथ हुआ। योग प्रशिक्षक व नगर संघसंचालक सर्वजीत के कुशल निर्देशन में उपस्थित जनसमुदाय ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित कई महत्वपूर्ण आसनों का अभ्यास किया। इसके बाद सभी ने अनुलोम-विलोम, कपालभाति प्राणायाम और ध्यान (रूद्दस्द्धद्धडुह्हुद्धशठ्ठ) जैसी विभिन्न योग क्रियाओं को बारीकी से सीखा और उनका अभ्यास किया।मन, बुद्धि और आत्मा को संतुलित करने वाली पद्धति है योगशिविर को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए जौनपुर के सह विभाग प्रचारक प्रेम प्रकाश ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की संपूर्ण विश्व को एक अमूल्य देन है। उन्होंने रेखांकित किया कि योग केवल शरीर को निरोगी रखने का साधन मात्र नहीं है, बल्कि यह मन, बुद्धि और आत्मा को संतुलित करने की एक महान जीवन पद्धति है। आज पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति और योग की इस दिव्य शक्ति को सहर्ष स्वीकार कर रही है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति न केवल तनावमुक्त रहता है, बल्कि उसकी कार्यक्षमता में भी अभूतपूर्व वृद्धि होती है।वरिष्ठ पदाधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थितिइस वृहद योग शिविर में संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संघचालक जयप्रकाश, जिला प्रचारक प्रभात, नगर कार्यवाह हर्ष सहित कई संघ पदाधिकारी और स्वयंसेवक अनुशासन के साथ कतारबद्ध होकर योग साधना करते नजर आए।

दुर्ग में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उमड़ा जन-सैलाब

डिप्टी सीएम अरुण साव की मौजूदगी में खालसा स्कूल में हुआ योग संगम

विशेष संवाददाता, दुर्ग। दुर्ग जिले में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बेहद उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। मालवीय नगर स्थित खालसा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित भव्य जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, इस वर्ष का आयोजन 'योग संगम' एवं 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) की विशेष थीम पर केंद्रित रहा। यह पूरा कार्यक्रम कलेक्टर अभिजीत सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सुबह 7:00 बजे से 7:45 बजे तक संचालित किया गया।

जनप्रतिनिधियों और अफसरों ने एक साथ किया योगासन- इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव के साथ दुर्ग के सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और महापौर अलका बाघमार ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जिले के समस्त प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवन के लिए योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

पाटन ब्लॉक की सहकारी समितियों में खाद एवं बीज का पर्याप्त भण्डारण

पीएम आवास के 15 अपात्रों पर हुई पारदर्शी कार्रवाई

दुर्ग। जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा खरीफ सीजन 2026 के दौरान कृषकों को सुचारू रूप से कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने हेतु निरंतर मैदानी स्तर पर समीक्षा एवं जांच की जा रही है। इसी कड़ी में पाटन विकासखंड के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा पर्याप्त खाद-बीज का सुव्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित किया गया है, वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं पारदर्शी कार्रवाई की गई है। कृषि एवं बीज निगम के अधिकारियों ने बताया कि आईएमएफएस पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक विकासखंड पाटन में इस वर्ष खरीफ 2026 में अब तक यूरिया 5556.78 मीट्रिक टन, एसएसपी 2763.07 मीट्रिक टन, पोटाश 1314.60 मीट्रिक टन, डीएपी 1105.05 मीट्रिक टन एवं एनपीके 1026.90 मीट्रिक टन का अद्यतन भंडारण सहकारी समितियों में किया जा चुका है। गत वर्ष खरीफ 2025 की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष यूरिया में 959 मीट्रिक टन, एसएसपी में 460 मीट्रिक टन तथा पोटाश में 506 मीट्रिक टन का अधिक भंडारण दर्ज किया गया है। डीएपी की आंशिक कमी की स्थिति में किसानों को वैकल्पिक एवं अधिक पोषक तत्वों वाले उर्वरकों जैसे एसएसपी, टीएसपी, एनपीके और नैनो डीएपी के उपयोग हेतु लगातार प्रोत्साहित एवं वितरित किया जा रहा है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ और बीज निगम रूआबांधा के पास पर्याप्त मात्रा में खाद और लगभग 2790 क्विंटल बीज का बफर स्टॉक शेष है,

डिप्टी सीएम अरुण साव ने महापौर के साथ निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

समय-सीमा पर कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

महापौर अलका बाघमार ने उरला में नए फिल्टर प्लांट की रखी मांग

दुर्ग/ दुर्ग नगर पालिक निगम क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का उपमुख्यमंत्री,नगरीय प्रशासन एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने निरीक्षण किया इस दौरान महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, लोककर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सनालंदा परिसर बनेगा विद्यार्थियों के लिए आधुनिक अध्ययन केंद्रस

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने प्रयास कन्या विद्यालय एवं छात्रावास के पीछे अधोसंरचना मद से लगभग 1213.98 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में तथा गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनके शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

नालंदा परिसर के निरीक्षण के पश्चात डिप्टी सीएम ने महापौर बाघमार के साथ पुराना बस स्टैंड स्थित इंदिरा मार्केट में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य निर्धारित अवधि में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात तथा व्यावसायिक क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या को देखते हुए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। लगभग 17 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की निर्माण अवधि 18 माह निर्धारित की गई है।

अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत पुलगांव में 129.50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा 47 एमएलडी एसटीपी 30 एमएलडी एवं उरला में 47 एमएलडी क्षमता के कुल 77 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण कार्यों में से उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने उरला में निर्माणाधीन 47 एमएलडी एसटीपी का निरीक्षण किया। लगभग 129.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की ।

उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए ।

बता दे कि महापौर अलका बाघमार ने उरला पटरी पार क्षेत्र के स्थायी जल समाधान हेतु नए फिल्टर प्लांट की मांग,रखी जिस पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार कर भेजने के दिए निर्देश।

निरीक्षण के दौरान पार्षदगण सरस निर्मलकर, रेशमा सोनकर, गुलशन साहू, ललिता ठाकुर, लोकेश्वरी ठाकुर, रंजीता पाटिल, मनोज सोनी,मनीष कोठारी,पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, प्रकाश चंद थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दिवान, हरिशंकर साहू, संजय ठाकुर, मोहित मरकाम, सिद्धार्थ साहू,संजय सिंह सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com